हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, शुक्रवार 3 अक्टूबर 2025

आरएसएस के 100 साल, शताब्दी वर्ष पर संघ प्रमुख भागवत ने अहम मुद्दों पर रखी बात

पड़ोसी देशों में जनता के गुस्से की वजह थी सरकार-समाज के मध्य दूरी, यह चिंताजनक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के 100 साल पूरा होने पर नागपुर में विजयदशमी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर मोहन भागवत ने देश के लोगों से स्वदेशी की अपील की और पड़ोसी देशों में जारी उथल-पुथल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश में जनता के गुस्से के पीछे सरकारों और समाजों के बीच दूरी प्रमुख वजह थी। इसके साथ ही संघ प्रमुख ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया।

एजेंसी ▶▶| नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के पड़ोस में अशांति को सरकारों और समाजों के बीच दूरी और सक्षम प्रशासकों की कमी से जोड़ते हुए आगाह किया कि भारत में ऐसी अशांति पैदा करने की चाहत रखने वाली ताकतें देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने 'स्वदेशी' और 'स्वावलंबन' की वकालत की और इस बात पर ज़ोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक संबंध भारत की शर्तों पर होने चाहिए, न कि किसी मजबूरी के कारण। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) भारत के लिए कोई चुनौती नहीं बनेंगे। यहां रेशिमबाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक ▶▶|शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹83843/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹102400/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹111779/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

aNaND Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

हिंदू समाज एक जिम्मेदार समाज

भागवत ने कहा, हिंदू समाज एक जिम्मेदार समाज है। यहां 'हम' और 'वे' का विचार कभी नहीं रहा। एक विभाजित समाज टिक नहीं सकता और हर व्यक्ति अपने आप में अनोखा है। आक्रमणकारी आए और गए, लेकिन हमारी जीवन-पद्धति कायम रही।

ऑपरेशन सिंदूर पर कही यह बात

मोहन भागवत ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवादियों ने सीमा पार कर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 26 भारतीयों की हत्या कर दी, जिस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया। इस हमले से देश में भारी पीड़ा और आक्रोश फैला तथा भारत ने इसका करारा जवाब दिया।

पहलगाम हमला, टैरिफ से लेकर हिंदू राष्ट्र का किया उल्लेख

पहलगाम हमले से पता चला, कौन मित्र

संघ प्रमुख ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद विभिन्न देशों के रुख से यह भी पता चला कि उनमें से कौन हमारे मित्र हैं और किस हद तक। भागवत ने कहा कि नक्सलियों ने कुछ इलाकों में शोषण, अन्याय और विकास की कमी का फायदा उठाया था, लेकिन अब ये बाधाएं दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा, इन इलाकों में न्याय, विकास, सद्भावना, सहानुभूति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना की आवश्यकता है।

मोदी बोले- भागवत का उद्बोधन प्रेरक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन की सराहना करते हुए इसे

प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत की नयी ऊंचाइयों को छूने की अंतर्निहित क्षमता को उजागर किया। मोदी ने कहा, परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र निर्माण में संघ के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला है।

राष्ट्र निर्माण में संघ का अद्वितीय योगदान : नड्डा

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आरएसएस ने युवाओं को अपने जीवन का हर पल मातृभूमि की सेवा में समर्पित करने के लिए प्रेरित करके राष्ट्र निर्माण में 'अद्वितीय योगदान' दिया है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे हो गए हैं। इस संगठन को सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक स्रोत माना जाता है। नड्डा ने आरएसएस को सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय विचारों का 'प्रबल संवाहक' बताया और असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र बताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि समाज में राष्ट्रीय विचारों का प्रसार कर समर्थ व अखण्ड भारत निर्माण के दिव्य ध्येय के साथ लोगों को जोड़ता यह संगठन असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र है।

नक्सल संगठन से हुआ मोहभंग, दिया गया 50-50 हजार रुपए का चेक

सबसे बड़ा समर्पण, 103 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा, इनमें 49 पर एक करोड़ का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले में गुरुवार को हुए अब तक के सबसे बड़े समर्पण में 1.06 करोड़ के ईनामी 103 नक्सलियों ने संगठन का साथ छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पित 80 पुरुष और 23 महिला नक्सलियों में 49 पर यह ईनाम घोषित था। इनमें 9 बड़े नक्सली भी शामिल है। इनमें पांच नक्सलियों पर 8-8 लाख व चार पर 5-5 लाख का ईनाम था।

■ 80 पुरुष और 23 महिला नक्सलियों में 49 पर था ईनाम घोषित

एक साथ 103 नक्सलियों के समर्पण से नक्सल सगंठन सकते में है। सभी नक्सलियों ने बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव व अन्य अधिकारियों के ▶▶|शेष पेज 6 पर

विजयादशमी पर आत्मसमर्पण की गूंज

रायपुर। धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व इस बार छत्तीसगढ़ में हिंसा और भ्रम पर विकास और सुशासन की ऐतिहासिक विजय का भी प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में 103 नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर सुरक्षा बलों को बधाई देते हुए कहा कि यह ▶▶|शेष पेज 6 पर

मुठभेड़ में एसीएम रैंक का नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले के गंगालूर इलाके में नक्सलियों ने एक नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। इसकी पुष्टि करते हुए आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि गंगालूर इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच जबरस्त मुठभेड़ चल रही है। अब तक 1 माओवादी का शव व हथियार बरामद किया गया है। जिला बीजापुर के थाना गंगालूर क्षेत्र में सुरक्षा बलों एवं माओवादियों के बीच प्रातः 11.00 बजे से ▶▶|शेष पेज 6 पर

पुलिस मुखबिरी के संदेह में ग्रामीण की हत्या

बीजापुर जिले में माओवादियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी। मड़कम भीमा नामक व्यक्ति को मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारा गया। घटना उसूर थाना इलाके के पुजारी कांकेर गांव की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर माओवादियों की तलाश शुरू की है। माओवादियों ने बुधवार रात लगभग 9 बजे ग्रामीण को घर से निकालकर वारदात को अंजाम दिया। इस हत्या से इलाके में दहशत व्याप्त है।

खबर संक्षेप

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चार की मौत

बलरामपुर। यूपी के बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाएं देखने निकले मोटरसाइकिल सवार चार लोगों की उतरौला-बलरामपुर मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई तथा दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए।

पंखे से लटका मिला नीट अभ्यर्थी का शव

कोटा। दिल्ली के 20 वर्षीय एक नीट अभ्यर्थी का शव यहां उसके पीजी के कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। बिहार के पटना के रहने वाले लकी चौधरी का शव बुधवार को विज्ञान नगर पुलिस थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 स्थित उसके पीजी रूम में पंखे से लटका मिला। वह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की ऑनलाइन माध्यमों से तैयारी कर रहा था।

ओडिशा के सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक गहरा दबाव तट की ओर बढ़ने के कारण बृहस्पतिवार को भारी बारिश जारी रही जिसके बाद भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने सात जिलों के लिए अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट (कार्रवाई की जरूरत), 16 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट (तैयार रहें) और शेष सात जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

बिहार की तरह देशभर के लिए नई तैयारी

सभी राज्यों में सूची से हटाए जाएंगे मृत मतदाताओं के नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सभी राज्यों में निकट भविष्य में, मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण में बिहार जैसी प्रवृत्ति देखने को मिलेगी, जहां कई वर्षों के बाद लाखों मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग का मानना है कि जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार के आंकड़ों को चुनाव मशीनरी से जोड़ने की प्रणाली स्थापित हो जाने पर, मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने का मुद्दा अंततः सुलझ जाएगा। प्रक्रिया शुरू होने के बाद, एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाता थे, क्योंकि लगभग 65 लाख नाम हटा दिए गए थे, जिनमें 22 लाख मृत व्यक्ति भी शामिल थे। अगस्त में यहां मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया था कि बिहार में मृतक के तौर पर पहचाने गए लगभग 22 लाख मतदाताओं की मौत हाल में नहीं हुई थी।

बिहार चुनाव पर कल पटना में बैठक

निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार खुद 4 अक्टूबर को पटना पहुंचेंगे। उनका यह दौरा चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए है लेकिन, सभी की नजरें 4 अक्टूबर को होने वाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक की उस महत्वपूर्ण बैठक पर टिकी हैं, जो पटना के होटल ताज सिटी सेंटर में आयोजित होगी। इस बैठक में आरजेडी, भाजपा, जद(यू) और कांग्रेस सहित अन्य प्रमुख दल शामिल होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त खुद सभी दलों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करेंगे।

डेटा प्राप्त करेगा आयोग

मतदाता सूची को तेजी से अद्यतन करने और उसे त्रुटिरहित बनाने के लिए, निर्वाचन प्राधिकरण अब भारतीय रजिस्ट्रार जनरल से मृत्यु पंजीकरण डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को पंजीकृत मौतों के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

नहीं मिलता कोई प्रोत्साहन

एक पदाधिकारी ने कहा, लोगों को अपने परिवार में हुई मौतों की सूचना निर्वाचन अधिकारियों को देने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता, लेकिन एक बार जब डेटा जोड़ने की व्यवस्था स्थापित हो जाएगी, तो मतदाता सूची में मृतक व्यक्तियों के नाम बने रहने की स्थिति समाप्त हो जाएगी। अधिकारी ने कहा कि एक बार जब आरजीआई और नगर निकाय तथा ग्रामीण निकायों के साथ डेटा जोड़ने की व्यवस्था स्थापित हो जाएगी, तो मतदाता सूची अधिक त्रुटि-मुक्त हो जाएगी।

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास

केंद्रीय गृह मंत्री शाह आज आएंगे, कल जाएंगे बस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों के छत्तीसगढ़ प्रवास पर शुक्रवार की रात को रायपुर पहुंचेंगे। यहां पर रात्रि विश्राम करने के बाद वे शनिवार को बस्तर जाएंगे। वहां पर कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद जगदलपुर से ही बीएसएफ के विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक श्री शाह शुक्रवार की शाम को 5.45 बजे चंडीगढ़ से रायपुर ▶▶|शेष पेज 6 पर

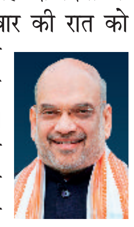

बस्तर के कार्यक्रम

श्री शाह शनिवार की 11.20 बजे रायपुर के माना विमानतल से बीएसएफ के विशेष विमान से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे। जगदलपुर पहुंचने के बाद श्री शाह जगदलपुर के मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद वे 12.35 से 1.20 तक मुरिया दरबार के कार्यक्रम में शामिल होंगे। 1.25 से 2.30 बजे लाल बाग में प्रदर्शनी ▶▶|शेष पेज 6 पर

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में बड़ा हादसा

मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 10 श्रद्धालुओं की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंदौर/खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में विजयादशमी पर गुरुवार को दुर्गा देवी की मूर्तियों के विसर्जन के दौरान तालाब में ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलट जाने से कम से कम 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे को लेकर 'एक्स' पर शोक जताया और अपने स्वजनों को खोने वाले परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

तीन लोगों का किया गया रेस्क्यू

इस बीच, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी जुगतावत ने बताया कि हादसे में घायल तीन लोगों को तालाब से बाहर निकाल कर खंडवा के जिला चिकित्सालय भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के वक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 30 श्रद्धालु सवार थे।

मची अफरा तफरी

चश्मदीदों ने बताया कि इस वाहन के तालाब में गिरते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और लोग अपने स्वजनों की तलाश में बदहवास देखे गए। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई और इनमें से कई लोगों ने बचाव अभियान में मदद की।

शास्त्रीय गायक पंडित मिश्र का 89 साल की उम्र में निधन

काशी की गंगा जैसी गूंजती स्वरधारा थे पंडित छन्नूलाल

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल, जिनकी गायकी से पूरी होती थी काशी की होली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/मिर्जापुर

'पद्म विभूषण' हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। मिर्जापुर में अपनी बेटी के घर पर उन्होंने अल सुबह 4.15 बजे अंतिम सांस ली। पंडित छन्नूलाल मिश्र को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए जाना जाता रहा है और आगे भी देशवासी उनके इस योगदान को हमेशा याद रखेंगे। 'फागुन मास के समय खेले मसाने में होली दिगम्बर- खेले मसाने में होली' की गायकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

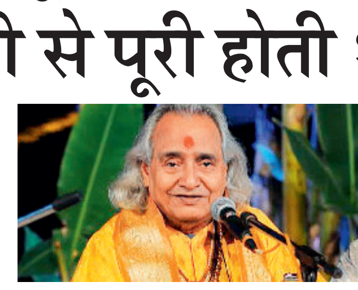

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज

साल 1936 में आजमगढ़ में जन्मे मिश्र हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज थे। उन्होंने ख्याल, ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी और भजन जैसी शैलियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मिश्र ने अपने पिता बद्री प्रसाद मिश्र के साथ-साथ किराना घराने के उस्ताद अब्दुल गनी खान और ठाकुर जयदेव सिंह से संगीत की शिक्षा प्राप्त की थी।

मोदी के रहे वाराणसी सीट से प्रस्तावक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर गायक के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे सदैव उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा।

फिल्म के लिए भी गाया था गाना

अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'आरक्षण' के लिए भी छन्नूलाल मिश्र ने एक गाना गाया था। इस गाने को काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा उन्होंने कई भजन और गजल भी गाए हैं, लेकिन बॉलीवुड में उनका ये गाना काफी पॉप्युलर हुआ था, इस गाने का नाम है, सांस अलबेली।

भारत-चीन के बीच फिर शुरू होगी हवाई सेवा

नई दिल्ली। विमानन कंपनी इंडिगो ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से चीन के ग्वांगझू के लिए उड़ानें फिर से शुरू करेगी। वर्ष 2020 की शुरुआत तक दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें चालू थीं। कोरोना वायरस महामारी के कारण सेवाएं निलंबित कर दी गईं। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के मद्देनजर ये सेवाएं बाद में भी निलंबित रहीं। इंडिगो ने एक बयान में कहा, 26 अक्टूबर से कोलकाता से चीन के ग्वांगझू के लिए दैनिक सीधी उड़ानें फिर से शुरू की जाएंगी। नागर विमानन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन अक्टूबर 2025 के अंत तक शीतकालीन कार्यक्रम के अनुरूप सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू कर देंगे।

17 सालों से जिले के थानों में पड़े नारकोटिक्स में जब्त हुए वाहनों की नीलामी और राजसात की कार्रवाई दुर्ग पुलिस करने की तैयारी में है। जिसके लिए पुलिस ने न्यायालय से अनुमति लेकर सारी तैयारी अंतिम चरणों में है। जिले में 72 ऐसे वाहन पुलिस ने जब्त किया है जो एनडीपीएस से वाहन जुड़े है। इसके अलावा इन वाहनों में कई के बैटरी, हेट लाइट तक गायब है। यह वाहन थानों में पड़े-पड़े सड़ रहे थे इसे लेकर एसएसपी विजय अग्रवाल ने गंभीरता से लिया।

दुर्ग पुलिस न्यायालय से राजसात करने ली अनुमति

17 साल में पुलिस ने नारकोटिक्स मामलों में 72 वाहन किए जब्त, थाने में हो रहे कबाड़

भिलाई। प्रक्रिया को पूरा करने के बाद वाहनों की पहले लिस्टिंग कराई गई। उसके बाद दो पहिया, चार पहिया, भारी वाहनों को अलग किया गया है और न्यायालय से अनुमति ली गई। साथ ही कई ऐसे वाहन भी पड़े जिसकी अनुमति की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। उक्त सभी वाहन नशे की तस्करी के दौरान पुलिस ने पकड़कर कार्रवाई कर जब्त किया है। ये वाहन छावनी, पुलगांव, खुर्सीपार, कुम्हारी, पुरानी भिलाई, जामुल, भठ्ठी, उतई, नेवई, भिलाई नगर, पाटन, सुपेला, दुर्ग कोतवाली, मोहन नगर, अंडा, स्मृतिनगर, धमधा, अंजोरा, वैशाली नगर, नंदिनी नगर, जेवरा सिरसा आदि थानों में लंबे समय से वाहन पड़े हुए है।

माहभर के भीतर हो जाएगी नीलामी

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त वाहनों का लिस्टिंग तैयार कर न्यायालय से अनुमति ली गई है। जिसकी नीलामी और कुछ वाहनों को राजसात भी करने की तैयारी चल रही है। माहभर के भीतर नीलामी हो जाएगी। न्यायालय इंवेट्री करता है। नए नियम में अंडर ट्रॉयल मामले में भी नीलामी कर सकते है। एमएसटीसी पोर्टल में इसे डाला जाता है। ऑनलाइन नीलामी होती है।

-विजय अग्रवाल,एसएसपी दुर्ग

प्री ट्रॉयल डिस्पोजल वाहन

पुलिस कोई भी वाहन जब्त करती है तो जांच अधिकारी जब्त वाहन से जुड़े पंजीकरण अधिकारी या आरटीओ से स्वामित्व की जानकारी प्राप्त कर ले। जब्त वाहन फायनेंस की है तो फायनेंस कंपनी से जानकारी लिया जाए। वाहन की सूची फार्म नंबर 4 के मुताबिक तैयार कर धारा 52(ए) 2 के अनुसार मजिस्ट्रेट को आदेन देकर फार्म 5 अनुसार जब्त वाहन की सूची , दस्तावेज, फोटो ग्राफिक्स का प्रमाणीकरण होना अनिवार्य है। वाहन में केविटस चेम्बर बने हो तो सभी ओर से फोटो लेना जरुरी है। साथ ही वाहन के इंजन, चेचिस नंबर का भी फोटो जरुरी होता है। जब्ती सूची वाहन की फोटो, पंजीयन समेत अन्य दस्तावेज प्राथमिक प्रति को साक्ष्य में मान्य करने के लिए न्यायालय में भेजा जाता है। ड्रग डिस्पोजल कमेटी को प्रकरण से जुड़ी सूची, दस्तावेज आदि वाहन के डिस्पोजल के लिए भेजी जाए।

एमएसटीसी पोर्टल से होगी वाहनों की बिक्री

जब्त वाहनों की बिक्री एमएसटीसी पोर्टलसे होगा। ऐसे वाहनों की ब्रिकी से मिलने वाले राजस्व को अधिकारिक खातों में जमा की जाएगी। प्रमाण पत्र न्यायालय में पेश किया जाएगा। बैंक में जमा करने के बाद एफडी के रुप में पेश किया जाएगा। न्यायालय विभाग को वाहन अधिकरण करने का आदेश देती है। विभाग नियम के मुताबिक बिक्री से प्राप्त आय के साथ अर्जित ब्याज को भी जब्त कर सकता है। न्यायालय वाहन अधिग्रहण का आदेश नहीं देने की स्थिति में विभाग के खिलाफ सक्षम न्यायालय में अपील नहीं करने पर ऐसे वाहनों की ब्रिकी से मिलने वाले राशि को ब्याज समेत न्यायालय को सूचित करते हुए वाहन के वास्तविक स्वामी को जारी कर दी जाएगी। जब्त वाहनों में होंडा सिटी, इंडिका, मारुति, स्कार्पियो, स्वीफ्ट, मिनी ट्रक, बोलेरो सहित दो पहिया में बुलेट आदि जैसे महंगे वाहन भी शामिल हैं।

पिछले साल धान बेचने वाले किसानों को सोसाइटी में करना होगा ये काम

गिरदावरी व डिजिटल क्रॉप सर्वे के बाद भी किसानों को रकबे का मिलान कराना होगा

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचने के पहले सोसाइटी में जाकर अपने रकबे का मिलान कराना होगा। राज्य में पटवारी गिरदावरी और डिडिटल क्रॉप सर्वे के बाद भी रकबे का भौतिक सत्यापन खाद्य विभाग के पीवी एप के माध्यम से भौतिक सत्यापन के बाद ही प्रविष्ठियों में परिवर्तन किया जा सकेगा। यह काम 31 अक्टूबर तक हो सकेगा। राज्य में पिछले साल धान बेचने वाले 25 लाख 49 हजार किसानों में से करीब डेढ़ लाख किसानों का डाटा जांच में मैच कर गया है यानी सही पाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस संबंध में राज्य के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है। इसमें खास डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावरी का मोबाइल एप पीवी एप से सत्यापन के संबंध में निर्देश दिए गए है। कहा गया है कि एकीकृत किसान पोर्टल में खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए किसान पंजीयन तथा पंजीकृत किसान द्वारा अपने भूमि पर लिए गए फसल का नाम तथा रकबा को अपडेट करने की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक करनी होगी।

हरिभूमि सरोकार

खाद्य विभाग के पीवी एप से होगा भौतिक सत्यापन

खास बात ये है कि राज्य में गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे का संशोधन का प्रावधान 30 सितंबर तक के लिए रखा गया था। इसके बाद पीवी एप के माध्यम से ही भौतिक सत्यापन उपरांत प्रविष्टियों में परिवर्तन किया जा सकेगा। यह एप 15 सितंबर 2025 से गो लाइव हो चुका है। इस ऐप के माध्यम से दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक प्रविष्टियों में परिवर्तन किया जा सकेगा।

इस तरह होगी फसलों की जांच

एग्रीस्टैक के डिजिटल क्रॉप सर्वे ,भुईयां सॉफ्टवेयर में किये गये फसल धान की प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टि की रैंडम सत्यापन हेतु एक मोबाइल ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से तीन स्तर पर फसल प्रविष्टि की रैंडम सत्यापन किया जाना है। प्रथम चरण में ऐप के माध्यम से चिन्हांकित खसरों का सत्यापन कलेक्टर द्वारा चिन्हांकित राजस्व, कृषि आदि विभाग के फील्ड अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा किया जावेगा। सत्यापन में प्रविष्टि गलत पाये जाने पर उस प्रविष्टि को भौतिक सत्यापन पर सुधार 31 अक्टूबर के पूर्व करने कहा गया है। प्रथम स्तर पर सत्यापित प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियां जो कि एप द्वारा चिन्हांकित किये जाएंगे, की जांच कलेक्टर एवं उसके द्वारा चिन्हांकित उपखण्ड एवं जिला के अधिकारी के द्वारा किया जावेगा। जिला स्तर पर सत्यापित प्रविष्टियों में से 2 प्रतिशत प्रविष्टि की जांच राज्य स्तर के अधिकारी द्वारा की जावेगी।

पवित्र शोभायात्रा निकली, गुरु परिवार ने लोगों को दिया दर्शन और आशीर्वाद

अगमधाम खडुआ में विजयदशमी गुरु दर्शन मेला उत्सव पर्व

रायपुर। अगमधाम खडुआ में 1 अक्टूबर को नगर भ्रमण विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में गुरु परिवार गाड़ी पर सवार होकर मेला उत्सव में आए हुए सभी लोगों को दर्शन देते हुए मंदिर की ओर आगे बढ़े, वहां पर गुरुगद्दी की पूजा अर्चना कर जैतखम में पालो चढ़ाया गया। उसके बाद मैथ में जाकर जगतगुरु आगमदास ममतामयी मिनी माताजी राजराजेश्वरी करुणा माताजी, कनक माता, सोनम दीदी को पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा अर्चना की गई। उसके बाद 2 अक्टूबर विजयदशमी के दिन पवित्र शोभा यात्रा अपरान्ह 4 बजे प्रारंभ होकर सभा मंच गुरु गद्दी गुरु विजय कुमार उर्फ अग्रवाल गुरुजी एवं जगतगुरु रुद्र कुमार बाबा गुरु रिपु दमन गुरु शामिल होकर सभी लोगों को गुरु दर्शन का लाभ देते हुए सबको आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़कर मंच पर पहुंचकर। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए इस पर्व में सतनामी

धर्म आदेशक निर्देशक संचेतक गुरु गद्दीनशीन सतनामी धर्म के नियंत्रण जगतगुरु विजय कुमार गुरुजी निरंतर तीन दिनों तक दर्शन दिए। साथ में जगतगुरु रुद्र कुमार गुरु रिपुदमन, राजराजेश्वरी कौशल माताजी श्री मीनाक्षी उर्फ सरिता माता, प्रियंकाउर्फ दीदी गुरु तथा नीति दीदी गुरु मेले में आए हुए सभी को दर्शन और अपना शुभ आशीर्वाद दिया। लोगों को सुख शांति समृद्धि का भी आशीर्वाद दिया। लोगों से कहा कि नशे के विरुद्ध एकजुट होकर नशा को अपने जीवन से दूर भगाएं। अपने शरीर को स्वस्थ रखें। घर परिवार को साफ सुथरा रखें। अपने गांव अपने शहर को सुंदर, साफ सुथरा रखकर प्रदेश की प्रगति पर अपना योगदान दें।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राजधानी के डब्लूआरएस कालोनी दशहरा मैदान में यहां का सबसे बड़ा 101 फीट के रावण का दहन किया गया। यहां राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौजूद रहे। शहर में सप्रे मैदान, रावणभाठा मैदान, बीटीआई ग्राउंड, समता कॉलोनी में भी रावण दहन किया गया।

डब्लूआरएस में सबसे बड़ा 101 फीट का पुतला जलाया

गगनभेदी आतिशबाजी के साथ दशानन पर 'अग्नि-प्रहार'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी दशहरा मैदान में 55वें वर्ष भी गगभेदी आतिशबाजी के बीच राज्यपाल रमेन डेका ने रावण दहन किया। वे सपत्नी उत्सव का हिस्सा बने। शाम 6.30 बजते ही आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ। गुरुवार की शाम 6.58 मिनट पर राज्यपाल ने रिमोट का बटन दबाते हुए रावण दहन करते हुए लाखों की तादाद में मौजूद दर्शनार्थियों को श्रीराम विजयदशमी उत्सव का हिस्सा ▶▶|शेष पेज 6 पर

असत्य पर सत्य की जीत का प्रमाण

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि दशहरा का पर्व हमे असत्य पर सत्य की जीत का प्रमाण होने के लिए प्रेरित करता है। भगवान राम ने वानर, भालूओं की सेना के साथ रावण की लंका पर विजय हासिलकी। हमें भी सत्य के साथ होने का संकल्प लेना होगा। राज्यपाल रमेन डेका ने सभी को ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

लावारिस वित्तीय संपत्तियों के लिए जागरूकता अभियान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्तीय क्षेत्र में लावारिस संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू करेंगी। यह अभियान वित्त मंत्रालय के अंतर्गत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अधीन निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) के समन्वय से शुरू किया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अभियान (अक्टूबर-दिसंबर 2025) का उद्घाटन वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण चार अक्टूबर को गांधीनगर (गुजरात) में करेंगी।

गांधी जयंती, दशहरा के मौके पर बाजार रहे बंद

मुंबई। गांधी जयंती और दशहरा के मौके पर आज गुरुवार को घरेलू शेयर, मुद्रा और जिंस बाजार बंद रहे। न ही शेयर बाजार और मुद्रा विनिमय बाजार में कोई सौदे हो पाए और जिंस बाजार में कोई हलचल दिखाई दी। बाजार में सामान्य दिनों की तरह शुक्रवार से कामकाज फिर शुरू हो पाएगा।

कोयले की मांग सुस्त रहने का अनुमान

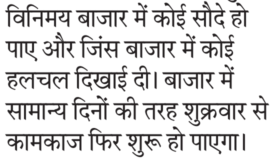

नई दिल्ली। देश में त्योहारों से पहले कोयले की मांग मानसून के लंबे समय तक रहने के कारण कम रही और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कुल मांग सुस्त रहने का अनुमान है। बी2बी (कंपनियों के बीच) ई-कॉमर्स समाधान प्रदाता एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, मध्यम-से-दीर्घ अवधि के परिप्रेक्ष्य में कोयले की मांग में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। इसका कारण कई ताप विद्युत परियोजनाओं की घोषणाएं हैं। हालांकि वृद्धि की गति धीमी रहने का अनुमान है। एमजंक्शन सर्विसेज के सीईओ विनय वर्मा ने कहा कि घरेलू कोयला बाजार इस समय अत्यधिक उत्पादन की समस्या से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, '' हालांकि यह अत्यधिक उत्पादन एक अस्थायी समस्या हो सकती है। हालांकि हमें कोयले में निवेश सुरक्षित रहे यह सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति और मांग में संतुलन बनाए रखना होगा।''

कोलंबिया में राहुल के आरोप पर सियासी बवाल

राहुल का आरएसएस-भाजपा पर वार, कहा- उनकी विचारधारा में कायरता, भड़की भाजपा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि मौजूदा समय में भारत में 'लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला' हो रहा है। देश के लिए यह जरूरी है कि विभिन्न परंपराओं को पनपने दिया जाए, क्योंकि हम चीन जैसा नहीं कर सकते जहां लोगों का दमन किया जाता है और एक अधिनायकवादी व्यवस्था चलाई जाती है। संघ और भाजपा पर वार करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा में कायरता है। राहुल के बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राहुल गांधी ने कोलंबिया के मेडेलिन स्थित ईआईए विश्वविद्यालय में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि चीन की तुलना में भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है और भारत की शक्तियां पड़ोसी देश से बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एक बहुत पुरानी आध्यात्मिक परंपरा और एक विचार प्रणाली है, जिसमें गहरे और उपयोगी विचार शामिल हैं जो आज की दुनिया के लिए लाभकारी हैं। साथ ही ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ भाजपा नेताओं ने बयान पर जताई कड़ी आपत्ति

जटिल संरचना और वैश्विक भूमिका

कोलंबिया में राहुल गांधी ने भारत की तुलना चीन से करते हुए कहा कि चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत की व्यवस्था अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और धर्मों के कारण जटिल है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है।

वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति

राहुल ने कहा कि भारत, चीन का पड़ोसी और अमेरिका का साझेदार होने के नाते, वैश्विक शक्तियों के टकराव के केंद्र में है। उन्होंने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के ध्रुवीकरण अभियान पर भी टिप्पणी की, जो उनके अनुसार मुख्य रूप से बेरोजगारों पर केंद्रित है।

भाजपा ने राहुल को बताया भारत विरोधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कोलंबिया में दिए गए हालिया बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी भारत विरोधी हैं। भारत और उसकी प्रगति से नफरत करने वाला व्यक्ति ही विदेशी धरती पर जाकर कह सकता है कि भारत अग्रणी नहीं हो सकता। इसी मानसिकता के ▶▶|शेष पेज 6 पर

लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन्हें लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा बताते हुए कहा कि राहुल गांधी बार-बार विदेशी मंचों से भारत की संस्थाओं और सेना पर सवाल उठाकर देश का अपमान करते हैं।

देश को बदनाम करने की कोशिश

बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं और वे भारत की जनता को गलत तरीके से पेश करते हैं। कंगना ने कहा, वह कहते हैं कि भारत के लोग झगड़ालू हैं, ईमानदार नहीं हैं। अगर ऐसा है तो इसका मतलब वह कहना चाहते हैं कि भारत की जनता बेवकूफ है।

स्कूल में शाखा, हिरासत में 39 आरएसएस कार्यकर्ता

चेन्नै। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नै में पुलिस ने गुरुवार को 39 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह घटना चेन्नै के पोरूर इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, इन कार्यकर्ताओं पर एक सरकारी स्कूल में बिना अनुमति के पूजा और विशेष 'शाखा' प्रशिक्षण आयोजित करने का आरोप है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई जब 2 अक्टूबर को आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हुए। उधर, बीजेपी नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने चेन्नै पुलिस की ओर से आरएसएस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए क्योंकि यह एक शुभ दिन है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, चेन्नै के पोरूर के पास 39 आरएसएस सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। क्योंकि उन्होंने बिना पूर्व अनुमति के अय्यप्पनथंगल सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूजा और विशेष शाखा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया था। यह कार्यक्रम आरएसएस शताब्दी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

■ तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने लिया एक्शन

पेट्रोल पंप में वारदात, मचा हड़कंप, लोगों ने पकड़कर किया पुलिस के सुपुर्द, प्रेम प्रसंग में की गई हत्या

सनकी युवक ने दिनदहाड़े युवती की चाकू से गोदकर की हत्या

अंबिकापुर। सिरफिरे आशिक ने दिनदहाड़े युवती की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पेट्रोल पंप में काम करने वाली युवती पर आरोपी ने चाकू से हमला किया और जब उसने बचने का प्रयास किया तो पूरे परिसर में दौड़ाकर बेरहमी से मारा। इस हमले में युवती बेहोश होकर गिर गई। खून से लथपथ युवती को उपचार के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। इधर वारदात को अंजाम देकर भाग रहे युवक को स्थानीय लोगों ने साहस का परिचय देते हुए पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। यह घटना पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के चांदो थाना अंतर्गत शाहपुर मगाजी निवासी 28 वर्षीया विद्यावती उर्फ भारती टोप्पो आ. हीरालाल टोप्पो शहर में अपनी बहन के साथ रहती थी। और पिछले 5-6 माह से रिंग रोड काली मंदिर के समीप स्थित श्रीकृपा फ्यूल्स में काम करती थी। युवती प्रतिदिन की तरह पेट्रोल पंप पर अपनी ड्यूटी कर रही थी। इसी दौरान एक बिना नम्बर की बाइक पर युवक आया, युवक के आने पर विद्यावती ने उसपर ध्यान नहीं दिया। कुछ समय तक युवक वहीं खड़ा रहा और फिर उसने अचानक ही अपनी बाइक से एक बड़ा चाकू निकाल लिया। आरोपी के चाकू निकालते ही युवती भागी लेकिन उसने पीछे से उसके पीठ पर हमला किया। इस दौरान पेट्रोल पंप परिसर में हड़कंप मच गया और युवती अपनी जान बचाने के लिए भागने लगी लेकिन आरोपी ने उसे पकड़ लिया और उसे चाकू से गोद दिया। इस दौरान चाकू युवती ने शरीर आर पार हो गया और युवती खून से लथपथ होकर सड़क पर पहुचंने से पहले ही गिर गई। इस बीच पेट्रोल पंप में काम कर रहे लोगों ने युवती को बचाने का भी प्रयास किया। बीच बचाव करने आए एक अन्य कर्मचारी संतोष यादव पर भी उसने चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया।

युवती पर हमला करते हत्यारे का सीसी टीवी फूटेज, इनसेट में मृतिका।

पकड़ने दौड़े लोगों पर भी किया हमला

इस घटना के बाद आस पास में हड़कंप मच गया। युवती ने अंतिम समय तक संघर्ष किया और इसी कारण लगभग एक फीट का चाकू आरोपी से छूटकर गिर गया इसके साथ ही आरोपी अपना बैग भी मौके पर छोड़कर बगल की गली में भाग निकला। हमले के दौरान इस दौरान पेट्रोल पंप के बगल में स्थित फ्रेंड्स चिकन के संचालक गुरदेव सिंह युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया लेकिन आरोपी ने गुरदेव सिंह का गला पकड़कर दबा दिया और अपने पास रखे एक एयर गन को निकाल कर तान दिया। इस दौरान गुरदेव सिंह के भाई ने आरोपी के सिर पर एक ईंट मारी तो आरोपी वहां से फिर भागने लगा जिसपर लोगों ने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर अरुण कुमार सिंह भी अपने घर से बाहर निकले और युवक को दौडाना शुरू किया, आरोपी भागते हुए नवापारा शंकर प्रजापति के घर तक पहुंच गया जहां लोगों ने घेरकर युवक को पकड़ लिया और पुलिस को घटना की सूचना दी।

चल रही है जांच

पेट्रोल पंप में काम करने वाली युवती पर आरोपी ने चाकू मारा है। इस घटना में युवती की अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्रेम प्रसंग के कारण हत्या की गई है। आरोपी को इस बात की शंका थी कि युवती किसी और युवक से बात करती है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

-अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा

ब्रिटेन के यहूदी इलाके में हमला दो की मौत, संदिग्ध भी मारा गया

सिनेगॉग में पवित्र 'योम किप्पुर' के दिन बनाया गया निशाना

एजेंसी ▶▶| लंदन

ब्रिटेन के मैनचेस्टर में यहूदियों को उनके पवित्र 'योम किप्पुर' के दिन निशाना बनाया गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है जबकि संदिग्ध हमलावर भी गोली लगने से मारा गया है। तीन और लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। प्रमुख यहूदी इलाके सिनेगॉग पर हुआ यह अटैक अब तक की सबसे गंभीर घटनाओं में गिना जा रहा है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बताया कि एक कार सीधे सिनेगॉग के बाहर खड़े लोगों की तरफ दौड़ाई गई। इसके बाद हमलावर ने चाकू निकालकर एक व्यक्ति पर वार किया। भीड़ में भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। घटना के वक्त बड़ी संख्या में लोग सिनेगॉग में मौजूद थे क्योंकि यहूदी समुदाय अपना त्योहार मना रहा था। हमले के तुरंत बाद पुलिस ने 'ऑपरेशन प्लाटो' लागू किया। यह टेरर अटैक जैसी बड़ी घटनाओं में इस्तेमाल किया जाने वाला स्पेशल अलर्ट है। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को सील कर दिया और आसपास के घरों को खाली कराया गया। लोगों को पहले अंदर रोककर सुरक्षित एरिया क्लियर किया गया और फिर धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। संदिग्ध के पास संदिग्ध वस्तुएं मिलीं, जिसके चलते बम डिस्पोजल यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया।

पीएम कीर स्टार्मर ने दिया सख्त संदेश

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने हमले को 'चौंकाने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि यहूदी समुदाय की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और देशभर के सिनेगॉग्स पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मैनचेस्टर का यह हमला ब्रिटेन में बढ़ती एंटी-इजरायल भावनाओं की ओर इशारा करता है।

अप्रत्याशित रूप से घटा छात्रों का रूझान, 2014 में खाली रह गई थी 30% सीटें

टेट की अनिवार्यता ने खाली कर दी बीएड की 5300 सीटें, 11 सालों में पहली बार

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्षों में दूसरी बार बीएड सीटें रिक्त रहने की कगार पर हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद बीएड, डीएलएड तथ बीए-बीएड व बीएससी-बीएड के लिए काउंसिलिंग आयोजित कर रहा है। मौजूदा शैक्षणिक सत्र के पूर्व 2014 में यह स्थिति निर्मित हुई थी जब सर्वाधिक मांग वाली बीएड की सीटें खाली रह गईं थीं। इस साल अभी प्रथम चरण की तीसरी सूची एससीईआरटी ने जारी कर दी है। इसके मुताबिक प्रदेश में बीएड की 5300 ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की तर्ज पर विद्यार्थियों के लिए तरसे निजी कॉलेज

पाठ्यक्रम	कुल सीट	रिक्त सीट
बीएड	14,500	5300
डीएलएड	6,610	2,233
बीए बीएड	150	47
बीएससी बीएड	100	50

2014 में दो वर्षीय हुआ था पाठ्यक्रम

आंकड़ों और एससीईआरटी सूत्रों के अनुसार,शिक्षक की नौकरी युवाओं के लिए प्राथमिकता सूची में रही है। इस कारण शिक्षा पाठ्यक्रमों में छात्रों की दिलचस्पी देखने को मिलती रही है। बीएड में दाखिला स्नातक के बाद ही ले सकते हैं। 2014 के पूर्व यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम था। 2014 में इसे दो वर्षीय कर दिया गया। उस वर्ष भी बीएड महविद्यालय छात्रों के लिए तरस गए थे। प्रदेश में बीएड की 30 प्रतिशत सीटें रिक्त रह गई थीं। हालांकि 2015 से स्थिति सामान्य हो गई। डीएलएड की सीटें भी प्रथम चरण में नहीं भर सकी हैं, लेकिन इन पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का रूझान दिख रहा है तथा पूछताछ व पंजीयन जारी है। डीएलएड सीटें अंतिम राउंड तक भरने ▶▶|शेष पेज 6 पर

ये हैं तीन मुख्य कारण

निजी शिक्षा महाविद्यालय संघ के संयोजक राजीव गुप्ता के अनुसार, बीते एक दशक अर्थात 2015 से 2025 में ऐसा पहली बार हो रहा है जब बीएड पाठ्यक्रम के लिए छात्र नहीं मिल रहे हैं। कई निजी महाविद्यालय इस बात से चिंतित हैं कि यदि उन्हें छात्र नहीं मिले तो प्राध्यापकों को वेतन कैसे प्रदान करेंगे? उनके मुताबिक तीन मुख्य कारणों के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है-

1

बीते दिनों कोर्ट ने आदेश जारी कर माध्यमिक, हाईस्कूल व हायरसेकंडरी कक्षा में अध्यापन कार्य करने वाले शिक्षकों के लिए टेट अर्थात शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी है। शिक्षक बनने अब बीएड के साथ व्यापम द्वारा आयोजित टेट क्लियर करना जरूरी है। प्राथमिक कक्षाओं के लिए डीएलएड पर्याप्त है। इसलिए भी छात्र बीएड के स्थान पर डीएलएड को प्राथमिकता दे रहे हैं।

2

विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण वर्तमान सत्र में किया गया। शिक्षकों के कई पद समायोजित हुए हैं। नई वैकेंसी भी नहीं निकल रही है। इस कारण रुझान घटा है।

3

ऑन रिकॉर्ड बीएड पाठ्यक्रम का शुल्क 60 हजार रुपए निर्धारित है। लेकिन गत वर्षों में यह आम शिकायत रही है कि अधिकतर निजी कॉलेज 2 लाख रुपए तक फीस ले रहे हैं। इस कारण भी छात्र शासकीय महाविद्यालयों में सीट मिलने पर ही प्रवेश ले रहे हैं अन्यथा नहीं।

चिंतन

अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाक

कुत्ते की दुम को चाहे 14 साल नली में रखो, तो भी वह टेढ़ी ही रहेगी। हिन्दी की यह कहावत पड़ोसी पाकिस्तान पर सौ फीसदी फिट बैठती है। लगातार भारत से हार के झटके खाने के बाद भी वो सुधरने का नाम नहीं ले रहा। अभी बीते दिनों ही आपरेशन सिंदूर में हार से सबक लेने की बजाए वो अब नई खुराफात में लगा है। लगातार खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान सर क्रीक क्षेत्र में अपनी सेना के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने में जुटा है। सर क्रीक विवाद 1960 के दशक से दोनों देशों के बीच लंबित है। सर क्रीक विवाद की वजह ये है कि भारत और पाकिस्तान यहां अपनी समुद्री सीमाओं की व्याख्या अलग तरह से करते हैं। वैसे इस विवाद की नींव 1914 के बॉम्बे सरकार के एक प्रस्ताव से पड़ गई थी। उस प्रस्ताव का मकसद सिंध और कच्छ डिवीजनों के बीच सीमा रेखा तय करना था। इसके नौवें पैराग्राफ के अनुसार सीमा क्रीक के पूर्व में पड़ती है। मतलब क्रीक सिंध का हिस्सा होता, लेकिन, साल 1947 में देश के बंटवारे के बाद, सिंध पाकिस्तान में चला गया और कच्छ भारत का हिस्सा बन गया। ऐसे इलाकों के लिए बने एक खास नियम को 'थैलवेग सिद्धांत' के नाम से जाना जाता है। पर पाकिस्तान का दावा है कि सर क्रीक में जहाज नहीं चल सकते। इसलिए, वह कहता है कि थैलवेग सिद्धांत यहां लागू नहीं होना चाहिए। जबकि, भारत का कहना है कि जब ऊंची ज्वार आती है तो यह पूरा इलाका जहाज चलाने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हो जाता है। यह भारतीय उपमहाद्वीप में मछली पकड़ने के लिए सबसे बड़ा इलाका है। इसी वजह से यहां आए दिन पाकिस्तानी मछुआरे चोरी छिपे घुसने की कोशिश में पकड़े जाते हैं और उनकी नौकाएं जब्त कर ली जाती हैं। पाकिस्तान अपने नापाक इरादों को अंजाम देने की कोशिश में यहां हमेशा लगा रहता है, लेकिन, दुर्गम दलदली क्षेत्र होने की वजह से यहां आवाजाही बहुत मुश्किल है। इसी इलाके में वह बदनाम क्षेत्र भी है, जो हरामी नाला के नाम से कुख्यात है। सुरक्षा बलों के लिए भी यहां गश्ती आसान नहीं है, क्योंकि गर्मियों में यहां दिन अत्यधिक गर्म और सर्दियों में रातें भयानक ठंडी हो जाती हैं। गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर लंबा दलदल वाला एक ज्वारीय मुहाने का नाम एक ब्रिटिश नागरिक पर पड़ा है। अब पाकिस्तान इस क्षेत्र में आर्मी के लिए सुविधाएं जुटाने में लगा है। उसकी इस नापाक हरकत पर विजयदशमी के दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कह दिया है कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि सर क्रीक का एक रास्ता कराची तक भी जाता है। रक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने विवाद को बातचीत के माध्यम से सुलझाने की कई सारी कोशिशें कीं, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है, इसका इरादा अस्पष्ट है। सर क्रीक से सटे इलाके में पाकिस्तानी आर्मी ने हाल में जिस तरह से मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया है, वह उसका इरादा उजागर करता है। उसने अगर गुस्ताखी की तो उसका इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकते हैं। ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की इस चेतावनी के बाद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आएगा। क्योंकि उसकी फितरत ही नापाक हरकतें करने की है। वो कहावत है ना कि जूते के आदी बातों से नहीं मानते, बस यही हाल हमारे पड़ोसी का भी है। भारत को हमेशा इसके लिए तैयार रहना होगा, तभी हम पाक को नापाक करते रहेंगे।

शांति के प्रयास में हमास का सहयोग जरूरी

गाजा प्रकरण

डॉ. एन. के. सोमानी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात के बाद जिस 20 सूत्री योजना का खाका सामने आया है, उससे पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस योजना में इजरायली बंधकों को रिहा करने, हमास को हथियार विहीन करने व गाजा के पुनर्विकास की बात कही गई है। इजरायल ने योजना पर अपनी सहमति दे दी है लेकिन हमास अभी किन्तु-परन्तु की स्थिति में है। हमास का कहना है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना पर विचार करके प्रतिक्रिया देगा। कुल मिलाकर कहें तो प्रस्तावित शांति योजना में हमास को क्षेत्र से पूरी तरह से बाहर करने की कोशिश की गई।

पिछले दो साल से जंग की आग में झुलझ रहे गाजा में शांति बहाली की हल्की उम्मीद दिखाई देने लगी है। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात के बाद जिस 20 सूत्री योजना का खाका सामने आया है, उससे पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस योजना में इजरायली बंधकों को रिहा करने, हमास को हथियार विहीन करने व गाजा के पुनर्विकास की बात कही गई है। इजरायल ने योजना पर अपनी सहमति दे दी है लेकिन हमास अभी किन्तु-परन्तु की स्थिति में है। हमास का कहना है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना पर विचार करके प्रतिक्रिया देगा। हालांकि ट्रंप ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि उसके पास तीन-चार दिन का वक्त है, वरना परिणाम दुखद होंगे। लेकिन सवाल यह है कि जिस तरह से ट्रंप ने अपनी योजना में गाजा की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था से हमास को पूरी तरह से अलग रखने की बात कही है क्या हमास उसको स्वीकार कर सकेगा। दूसरा योजना में जिस तरह से फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर प्रस्तुत करने की परिकल्पना की जा रही है, नेतन्याहू इसके लिए राजी होंगे। यह सवाल इसलिए बड़ा हो जाता है क्योंकि नेतन्याहू ने कभी भी फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर स्वीकार नहीं किया है। पिछले दिनों जब ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता देने का ऐलान किया तो नेतन्याहू ने इसे आंतकवाद को प्रोत्साहित करने का बेतुका इनाम बताते हुए इजरायल के अस्तित्व को खतरे में डाल देने वाला कदम कहा। ऐसे में संभावना इस बात की भी है कि ट्रंप की प्रस्तावित शांति योजना जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते की तरह हमास-इजरायल हथकंडों की भेंट चढ़ जाए।

डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल-हमास के बीच युद्ध विराम को लेकर अरब देशों के साथ एक 20 सूत्री शांति प्रस्ताव साझा किया है। शांति प्रस्ताव में इजरायल-हमास के बीच जारी संघर्ष को रोकने व पश्चिम एशियाई क्षेत्र में शांति के लिए गाजा को कट्टरपंथ और आतंकवाद मुक्त क्षेत्र बनाने की बात कही गई है। प्रस्तावित शांति योजना के अनुसार इजरायल गाजा पर दावा नहीं करेगा और कभी उस पर कब्जा करने की कोशिश नहीं करेगा। दोनों पक्षों की सहमति पर युद्ध विराम लागू होगा। इजरायली सेना पीछे हटेगी और बंधकों की रिहाई की तैयारी की जाएगी। इस दौरान सभी सैन्य गतिविधियां स्थगित रहेंगी। इसके अलावा शांति योजना में हमास को 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों (जीवित या मृत) को वापस करना होगा। बंधकों की रिहाई के बाद इजरायल आजीवन कारावास की सजा काट रहे 250 कैदियों और 1700 गाजा वासियों को रिहा करेगा। प्रस्तावित शांति योजना में गाजा के पुनर्निर्माण का चरणबद्ध उल्लेख किया गया है। गाजा के पुनर्निर्माण का काम वहां के नागरिकों की इच्छानुसार जाएगा। प्रशासनिक कार्य के लिए एक गैर राजनीतिक समिति का गठन किया जाएगा। हमास और अन्य गुटों को इस समिति से दूर रखा जाएगा। समिति के कार्यों की निगरानी के लिए एक बोर्ड ऑफ पीस का प्रावधान भी किया गया है जिसके अध्यक्ष स्वयं डोनाल्ड ट्रंप हैं। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर सहित अन्य वैश्विक

नेताओं को बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। बोर्ड का मुख्य कार्य गाजा के विकास और इसके लिए वित्तीय संसाधन जुटाने का होगा। हमास और अन्य गुटों से समझौते की पालना करवाने और गाजा भविष्य में किसी अन्य देश के लिए खतरा नहीं बनेगा, इस बात की जिम्मेदारी क्षेत्रीय देशों के कंधों पर डाली गई है। क्षेत्र में शांति स्थापना के प्रयासों को किसी तरह से नुकसान न पहुंचे, इसके लिए अमेरिका अपने अरब और दूसरे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय बल तैनात करेगा। यह बल फिलिस्तीन में पुलिस प्रणाली को विकसित और प्रशिक्षित करने का काम भी करेगा।

कुल मिलाकर कहें तो प्रस्तावित शांति योजना में हमास को क्षेत्र से पूरी तरह से बाहर करने की कोशिश की गई। दरअसल, सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच छिड़ी जंग में अब तक 66 हजार से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं जिनमें बड़ी संख्या में बच्चों और औरतें भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन गाजा के मानवीय संगठन पर चिंता जता रहे हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश गाजा में तत्काल युद्ध विराम करने और इजरायल से नागरिकों की मदद करने के लिए मानवीय सहायता उपलब्ध करवाने का आग्रह कर रहे हैं। लेकिन अमेरिकी शह के चलते इजरायल सभी तरह के प्रस्तावों की अनदेखी करता रहा।

हालांकि, इससे पहले जनवरी माह में 15 महीने के नरसंहार के बाद दोनों पक्ष तीन चरणों वाले युद्ध विराम समझौते के लिए सहमत हुए थे। इस समझौते में 19 जनवरी से छह सप्ताह के लिए सैन्य कार्रवाइयों पर रोक लगाने, इजरायली सेना के वापस लौटने और जबरन विस्थापित हुए फिलिस्तीनियों को अपने घरों को लौटने की बात कही गई थी। समझौते में गाजा में बंदी बनाए गए इजरायली नागरिकों को रिहा करने व इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनियों को रिहा करने की बात कही गई थी। युद्ध विराम समझौते में इजरायल ने प्रतिदिन गाजा में 600 ट्रक मानवीय सहायता भेजने की अनुमति दी थी। लेकिन मार्च के मध्य में समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा शुरू हो पाती, उससे पहले ही इजरायल ने हमास पर हथियार जुटाने तथा नये हमले की योजना बनाने का आरोप लगाकर समझौता समाप्त कर दिया और गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए। हमले के पीछे इजरायल का तर्क था कि हमास बंधकों की रिहाई में आना-कानी कर रहा है। निसंदेह, ट्रंप की योजना फिलिस्तीन और इजरायल के लोगों के साथ-साथ पूरे पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास के स्वप्न को साकार करने में एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। लेकिन योजना की सफलता का बड़ा दारोमदार हमास और इजरायल के नेताओं की सद्इच्छा पर निर्भर करेगा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस योजना का भारत सहित कई अरब और मुस्लिम देशों ने समर्थन किया है।

इन देशों में जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, सऊदी अरब और मिस्त्र शामिल है। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इस योजना की पुष्टि की है। बहुत संभव है कि अगले कुछ दिनों में इस पर मुहर भी लग जाए। लेकिन जिस तरह से गाजा के राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे के निर्माण और विकास से हमास को अलग रखा गया है उसे देखते हुए कहना मुश्किल है कि पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक शांति के प्रयास सफल होंगे। यही नहीं, अब भारत इजरायल-हमास जंग को लेकर एक संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का सम्मेलन बुला रहा है। इसमें दुनिया के दर्जनों देश हिस्सा लेंगे, हालांकि पाकिस्तान और चीन को न्यौता नहीं भेजा गया।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नवाचार

सुनील कुमार महला

इंसान बनाम आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस होगा अब रोजगार

आज विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान और तकनीक के इस युग ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है और एआई भी निश्चित रूप से इनमें से एक है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम सभी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जमाने में सांस ले रहे हैं और वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तेजी से हमारे जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। एआई से काम करना आज बहुत आसान या यूं कहें कि सरल हो गया है। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि, उधोग व व्यापार, परिवहन, सुरक्षा, बैंकिंग व वित्त, मनोरंजन, घर और दैनिक जीवन, अंतरिक्ष तक आज कौनसा क्षेत्र है, जहां एआई से काम नहीं हो रहा है? यानी कि सब जगह आज एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल या प्रयोग किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, संचार, बैंकिंग, कृषि, उद्योग और सुरक्षा जैसे लगभग सभी क्षेत्रों में एआई का प्रयोग बढ़ने से जहां अनेक नए अवसर पैदा हो रहे हैं, वहीं रोजगार के परिदृश्य में भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कई विशेषज्ञों का यह मानना है कि आने वाले वर्षों में एआई पारंपरिक नौकरियों को प्रभावित करेगी और काम करने के तरीकों में मूलभूत परिवर्तन लाएगी। मानव की तुलना में एआई विभिन्न कार्यों को तेजी और सटीकता से करने में सक्षम है। परिणामस्वरूप, कई जगह मानव श्रमिकों (मैनपावर) की आवश्यकता घटने लगी है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि एआई का प्रभाव मुख्यतः उन क्षेत्रों पर अधिक होगा, जहां कार्य दोहराए जाते हैं और निर्णय सीमित जानकारी के आधार पर लिए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर कस्टमर सपोर्ट के लिए पहले जहां कॉल सेंटर में हजारों कर्मचारी कार्य करते थे, आज वहां चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट यह काम कर रहे हैं। इसी प्रकार निर्माण उद्योग में उत्पादन, पैकेजिंग और क्वालिटी चेक जैसे कार्य रोबोट द्वारा किए जा रहे हैं। आज सेल्फ ड्राइविंग गाड़ियां आ चुकीं हैं, ये सब एआई के कारण संभव हुआ है, यह ठीक है लेकिन भविष्य में ये सब परिवहन के क्षेत्र में ड्राइवरों और डिलीवरी कर्मचारियों की मांग कम कर सकते हैं। आज एआई के कारण लेखा-जोखा और बैंकिंग का काम आसान हो गया है। एआई आधारित सॉफ्टवेयर तुरंत गणना, विश्लेषण और रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं, पहले इसके लिए मैनपावर की जरूरत होती थी। आज एआई का उपयोग मीडिया के क्षेत्र में और कंटेंट तैयार करने में किया जा रहा है। समाचार लेखन, अनुवाद और वीडियो संपादन जैसे काम भी अब आंशिक रूप से एआई कर रहा है, ऐसे में मैनपावर की जरूरत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। यह भी एक तथ्य है कि हालांकि, एआई से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन साथ ही नए रोजगार भी बनेंगे।

उदाहरण के लिए, एआई सिस्टम को डिजाइन करने, उसका रखरखाव करने और उसे सुरक्षित बनाने के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी। आज के युग में निरंतर डाटा वैज्ञानिक, मशीन लर्निंग इंजीनियर, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और एआई नैतिकता से जुड़े पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, यह भी एक तथ्य है कि एआई के कारण हेल्थकेयर, शिक्षा और कृषि क्षेत्र समेत अनेक क्षेत्रों में नए नवाचार होंगे, जिससे नई तरह की नौकरियां पैदा होंगी। संक्षेप में कहें तो एआई के दोनों पहलू हैं। इसमें अवसर (अपार्चुनिटीज) भी हैं और चुनौतियां (चैलेंजेज) भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पारंपरिक नौकरियों पर निर्भर लोगों को नए कौशल सिखाना और तकनीक के अनुकूल बनाना आज के समय की बड़ी मांग है। इसके लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, एआई का नैतिक और जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करना भी जरूरी है ताकि यह केवल मुनाफे का साधन न रहकर मानव कल्याण का साधन बने। एआई मशीन आधारित तकनीक है, इसमें मानव जैसी भावनाएं, संवेदनाएं या नैतिक मूल्य स्वयं से मौजूद नहीं होते। यह केवल डेटा, एल्गोरिद्म और प्रोग्रामिंग पर आधारित होकर कार्य करता है। यदि हम रचनात्मक सोच, तकनीकी शिक्षा और कौशल-विकास पर ध्यान दें तो एआई नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। सच तो यह है कि एआइ के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पहलू हैं। एआई के सकारात्मक पहलू की बात करें तो यह नई नौकरियों के सृजन, काम की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादकता में वृद्धि, सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन की दृष्टि से एक वरदान है। वहीं दूसरी ओर एआई से नौकरियों के खत्म होने के साथ ही साथ कौशल असमानता का खतरा पैदा हो सकता है। एआई में मानव भावनाओं का अभाव होता है। एआई से इंसान के अपने सोचने और समस्या हल करने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आनंदमय कोष की प्राप्ति

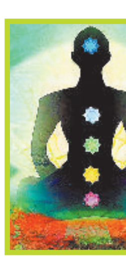

संकलित

दर्शन

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रुधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है।दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरों तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

संकलित

प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

सिंदूर खेला

प्रयागराज में गुरुवार को 'सिंदूर खेला' के दौरान महिलाएं एक-दूसरे को सिन्दूर लगाती हैं। विजयादशमी पर 'दुर्गा पूजा' का अंतिम दिन माना जाता है?

आज की पाती

कब खत्म होगी बुराई

दशहरा, जिसे विजयदशमी भी कहा जाता है, हमारे समाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण का दहन करके यह संदेश दिया जाता है कि बुराइयां समाप्त हो जाएं और धर्म और नैतिकता की स्थापना हो। परंतु आज के दौर में यह पर्व केवल उत्सव और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। रावण दहन के पुतले जलते हैं, मगर समाज में व्याप्त रावण– यानी अपराध, दुराचार और नैतिक पतन– लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर साल दशहरे पर लोग बड़े उत्साह के साथ रावण के पुतले फोड़ते और जला देते हैं। इसका उद्देश्य हमेशा यह रहा कि बुराइयों का नाश हो और अच्छाई की विजय हो। लेकिन वर्तमान समाज में यह प्रतीकात्मक क्रिया केवल दृश्य मनोरंजन बनकर रह गई है। इस अवसर पर समाज को यह चिंतन करना है कि क्या सचमुच बुराई खत्म हो गई या नहीं?

– प्रवीण भाटिया, भाटापारा

ट्रेंड

भारतीय संगीत को क्षति

बनारस घराने के एक प्रकाशमान व्यक्तित्व पंडित छन्नूलाल मिश्र के निधन से भारतीय संगीत को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने शास्त्रीय गायन को नए आयाम दिए। कई अन्य सम्मानों के साथ उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था।"

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

खादी हमारी संस्कृति

खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह हमारी संस्कृति, हमारे कारीगरों की मेहनत और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न का प्रतीक बनकर खड़ी है। खादी की यह यात्रा हमें स्मरण कराती है कि स्वावलंबन ही राष्ट्रीय गौरव का पथ है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

लालफीताशाही समाप्त

पिछले कुछ वर्षों में, हमने जन कल्याणकारी कार्यों से लालफीताशाही को समाप्त कर दिया है। मेरे या मेरे सहयोगियों के ध्यान में लाया गया कोई भी मुद्दा तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार किया जाता है।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

गांधी का संदेश

महान नेता महात्मा गांधी का नाम इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। संघर्ष और मतभेदों से त्रस्त दुनिया में आज भी उनका संदेश भविष्य के लिए दिशा दिखाने वाले प्रकाश का काम करता है। खासकर बढ़ते विभाजन के दौर में।

- ममता बनर्जी, सीएम, प. बंगाल

करंट अफेयर

अफगान में इंटरनेट सेवा बंद होने पर भ्रम फैला

अफगानिस्तान में इंटरनेट कनेक्टिविटी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, क्योंकि कुछ नेटवर्क बुधवार को फिर से चालू हो गए, जो सोमवार से बंद थे। असोसिएटेड प्रेस (एपी) ने पहले एक बयान की खबर दी थी, जिसमें कहा गया था कि तालिबान ने इंटरनेट बंद होने की घटना को जानबूझकर नहीं बताया और कहा कि पुरानी फाइबर ऑप्टिक केबलें खराब हो गई थीं, जिनकी अब मरम्मत की जा रही है। हालांकि बाद में यह पता चला कि यह बयान झूठा था। तालिबान कभी-कभी पाकिस्तानी पत्रकारों से संवाद करने के लिए एक व्हाट्सएप समूह का इस्तेमाल करते हैं। यह झूठा बयान उस समूह के कुछ सदस्यों को व्यक्तिगत रूप में भेजा गया था लेकिन इसे समूह में नहीं डाला गया था। यह संदेश एक अफगान उपयोगकर्ता ने भेजा था, जिसका नाम तालिबान के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह के नाम से मिलताजुलता था। संदेश भेजने वाला यह व्यक्ति गायब हो गया है और उसकी पहचान का पता नहीं चल सका। वही बयान सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी पोस्ट किया गया था लेकिन वह तालिबान के बजाय तालिबान समर्थक द्वारा चलाए गए एक अकाउंट से था। इंटरनेट की बंदी के कारण एपी के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल की मरम्मत पर और जानकारी हासिल करने के वास्ते तालिबान के प्रवक्ता से संपर्क करना मुश्किल था।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोन: 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट: www.haribhoomi.com

चार मृतकों की पहचान

चार हफ्तों में सौंपनी होगी रिपोर्ट

लद्दाख हिंसा के 9 दिनों बाद दिया गया आदेश!

लेह में कैसे हुई चार लोगों की मौत? होगी मजिस्ट्रेट जांच

एसडीएम मुकुल बेनीवाल को सौंपा जिम्मा | घटना के पीछे छुपी असली वजहों का खुलेगा राज

एजेंसी ▶▶| लेह

लद्दाख प्रशासन ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी और कई दर्जन नागरिक व सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। यह हिंसा अपेक्स बॉडी के नेता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की ओर से प्रस्तावित एक महीने के अनशन के 15वें दिन भड़की थी, जब अनशन के कारण दो महिला कार्यकर्ताओं की हालत गंभीर होने की खबरें सामने आईं। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और 78 सुरक्षाकर्मियों सहित 120 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हिंसा में भाजपा लद्दाख कार्यालय और कई सुरक्षा वाहनों को जला दिया गया और प्रदर्शनकारी छात्रों ने सरकारी कार्यालयों पर हमला किया। घटना के नौ दिन बाद अब लद्दाख प्रशासन ने सभी राजनीतिक हलकों से भारी दबाव के बाद तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

घटना की जांच की मांग की गई

लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची और भूमि अधिकारों सहित लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए आंदोलन और लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, जनता दल, सीपीआईएम और यहां तक कि लद्दाख के पूर्व भाजपा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस घटना की जांच की मांग की थी। इन हत्याओं के कारण एलएबी और केएडी को 30 सितंबर को गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत से हटना पड़ा और 6 अक्टूबर को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व वाली उच्चस्तरीय गृह मंत्रालय की टीम और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली उच्चस्तरीय वार्ता का बहिष्कार करना पड़ा।

लेह के जिला मजिस्ट्रेट का आदेश

लेह के जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश संख्या 03 न्यायिक समीक्षा 2025 दिनांक 26/09/2025 के तहत **IAS** अधिकारी मुकुल बेनीवाल, जो वर्तमान में नुबरा के उप-मंडल मजिस्ट्रेट हैं उनको जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें ये जांच 4 सप्ताह में पूरी करनी है।लद्दाख प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे 4 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच डीसी ऑफिस कॉन्फ्रेंस हॉल, लेह या जाँच अधिकारी के कार्यालय में जांच आयोग के समक्ष उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत करें. जांच का उद्देश्य गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति, पुलिस कार्रवाई और परिणामस्वरूप चार व्यक्तियों की मृत्यु के विस्तृत तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाना है।

चार मृतकों की पहचान

चार मृतकों की पहचान जिग्मेट दोरजे, पुत्र यूंटन चोस्पेल, निवासी खरनाक, रिनचेन दादुल, सो त्सेरिंग मोरुप, निवासी हनु, स्टैनजिन नामगेल, पुत्र नवांग जोटपा, निवासी इगू और त्सेवांग थारचिन, पुत्र स्टैनजिन नामग्याल, निवासी स्कर्बुचन के रूप में की गई है। इसके बाद पेश साक्ष्यों और सबूतों को दर्ज करने के बाद चार सप्ताह की अवधि के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाएगी। आदेश में आगे कहा गया है कि नोटिस के आधार पर घटना के बारे में जानकारी रखने वाला या घटना के संबंध में जांच अधिकारी के समक्ष मौखिक साक्ष्य/लिखित बयान/सामग्री साक्ष्य (फोटो या वीडियो रिकॉर्डिंग) देने का इच्छुक/इच्छुक कोई भी व्यक्ति नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर बयान/साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।' लद्दाख प्रशासन ने सभी संबंधित गवाहों से अपील की है और उनसे निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए अपना सहयोग देने का अनुरोध किया है।

खबर संक्षेप

'मैं जल्दी काम शुरू करूंगा' खड़गे का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हार्ट की सर्जरी के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को कहा है कि उनका जल्द ही काम पर लौटने का इरादा है। 83 वर्षीय खड़गे को मंगलवार बेंगलुरु के एम एस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बुधवार को उन्हें पेसमेकर लगाया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए कहा, 'मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा इरादा जल्द ही अपना काम शुरू करने का है।'

लोकसभा में थरूर को फिर बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को कई संसदीय स्थायी समितियों का पुनर्गठन किया और दो प्रवर समितियों, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, का गठन किया। इसमें कांग्रेस नेता शशि थरूर को फिर से बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

सर क्रीक विवाद पर राजनाथ ने दी चेतावनी

'पाकिस्तान को ऐसा जवाब देंगे कि इतिहास-भूगोल दोनों बदल जाएगा'

विजयादशमी के दिन भुज मिलिट्री बेस पहुंचे रक्षामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विजयादशमी के दिन भुज मिलिट्री बेस पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शस्त्र पूजन किया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के L-70 एयर डिफेंस गन का जोरदार तरीके से इस्तेमाल किया गया था। आज राजनाथ ने इस हथियार का भी तिलक किया। गुजरात के कच्छ इलाके में खड़े होकर रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने सर क्रीक इलाके में किसी तरह की हिमाकत की तो ऐसा जवाब दिया जाएगा कि वो अपना इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएगा।

सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस इलाके तक भारत के डिफेंस सिस्टम को भेदने की नाकाम कोशिश की, जबकि भारत की सेनाओं ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह एक्सपोज कर दिया और दुनिया को यह संदेश दे दिया कि भारत की सेनाएं जब चाहें, जहां चाहें और जैसे भी चाहें पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल 70 एयर डिफेंस गन का किया पूजन

पाकिस्तान की नीयत में खोट : राजनाथ ने कहा- आजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को हवा दी जा रही है। भारत ने बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने के कई प्रयास किए, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है। उसके इरादे साफ नहीं हैं। जिस तरह से पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में सर क्रीक से सटे इलाकों में अपने सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है, उससे उसकी नीयत का पता चलता है।

भारत का मकसद युद्ध करना नहीं

सिंह ने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है और स्थिति को बिगाड़कर पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू करना उसका उद्देश्य नहीं था। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने सर क्रिक इलाके में कोई भी हिमाकत की तो उसे करारा जवाब मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा- जबाव ऐसा होगा कि पाकिस्तान का इतिहास और भूगोल बदल जाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान पर सर क्रीक क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को जानबूझकर भड़काने का आरोप भी लगाया।

यह है वर्षों पुराना सर-क्रीक विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच सर क्रीक का मुद्दा वर्षों से चल रहा है। यह जल क्षेत्र गुजरात के कच्छ जिले और सिंध की सीमा के पास स्थित है। यह विवाद अरब सागर स्थित कच्छ के रण में 96 किलोमीटर लंबे मुहाने को लेकर है जो गुजरात को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान ने संपूर्ण खाड़ी क्षेत्र पर अपना मालिकाना हक जताता है। इसके जवाब में भारत का प्रस्ताव था कि कच्छ के रण से लेकर खाड़ी के मुख तक की एक सीधी रेखा को सीमारेखा मान लेना चाहिए। परंतु यह प्रस्ताव पाकिस्तान को मंजूर नहीं था। इस तरह से सर क्रीक खाड़ी का करीब 650 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा आज भी विवादित है। इस क्षेत्र से कई बार पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा भारतीय मछुआरों को उठा ले जाने की खबरें आती रहती हैं। सियाचिन के बाद सर क्रीक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ाने वाली एक और सीमारेखा है।

रणनीतिक महत्व

सर क्रीक का रणनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह अरब सागर के निकट है और यहीं से कराची पोर्ट तक पहुंचने का मार्ग है। इसके साथ ही समुद्री इलाकों में हाइड्रो कार्बन और प्राकृतिक गैस के संभावित भंडार भी चर्चा का विषय रहे हैं।

प्रकाश पर्व में शामिल होने केंद्र ने दी मंजूरी

भारत-पाक तनाव के बीच पाक जाएगा सिख जत्था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत सरकार ने सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान जाने की मंजूरी दे दी है, जहां वे आगामी 5 नवंबर को गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस अवसर पर विशेष जत्था पाकिस्तान जाएगा और वहां स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों में माथा टेककर धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। हर साल बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु इस मौके पर पाकिस्तान के ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब सहित अन्य गुरुद्वारों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हालांकि इस साल पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के चलते भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है।

इस साल प्रकाश पर्व के मौके पर सिख जत्थे की पाकिस्तान यात्रा को भारत सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर मंजूर मिल गई है। सुरक्षा और यात्रा से जुड़े इंतजामों पर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच समन्वय किया जाएगा। धार्मिक भावना और आस्था से जुड़ी इस यात्रा का सिख समुदाय लंबे समय से इंतजार कर रहा था।

गृहमंत्रालय के 'परामर्श' पर मचा था बवाल

हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक परामर्श जारी किया था, जिसमें नवंबर में होने वाले गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख श्रद्धालुओं के जत्थों को पाकिस्तान जाने से रोकने की बात कही गई थी। यह परामर्श 12 सितंबर को छह राज्यों को भेजा गया था और इसमें सुरक्षा परिस्थितियों के साथ-साथ पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले का भी जिक्र किया गया था। 14 सितंबर को हुए भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद यह मुद्दा और गरमा गया। कई राजनीतिक दलों और सिख समुदाय के नेताओं ने सरकार के इस कदम पर सवाल खड़े किए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे 'दोहरा रवैया' बताया था।

दुर्गा पूजा उत्सव...

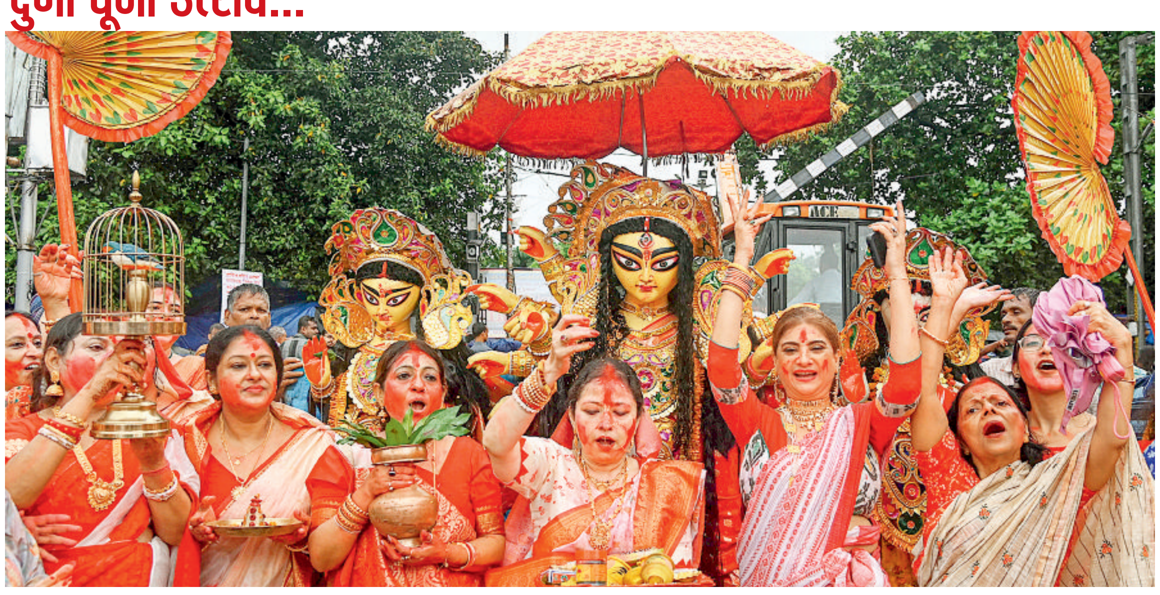

कोलकाता। दुर्गा पूजा उत्सव के अंतिम दिन, गुरुवार को कोलकाता, बंगाल में देवी दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के लिए एक धार्मिक जुलूस में भाग लेती महिलाएं। इस दौरान यहां 'सिंदूर खेला' का भी आयोजन किया गया।

इग्नू ने आगे बढ़ाई एडमिशन रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2025 में नए प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि फिर से बढ़ा दी है। ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) और ऑनलाइन कार्यक्रमों में जुलाई 2025 के नए शैक्षणिक सत्र के लिए अभी तक पंजीकरण न कराने वाले छात्र इन कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण करा सकते हैं, जिसकी अब नई अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। मुक्त विश्वविद्यालय ने सर्टिफिकेट और सेमेस्टर-आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर सभी ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन मोड कार्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है।

विजयादशमी पर हुई पूजा, पंचांग गणना के अनुसार निश्चित की गई तिथि

बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को होंगे शीतकाल के लिए बंद

बदरीनाथ। बदरीनाथ, यमुनोत्री, मध्यमहेश्वर और तुंगनाथ धामों के शीतकालीन कपाट बंद होने की तिथियां घोषित हो गई हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे, जबकि मध्यमहेश्वर 18 नवंबर और यमुनोत्री 23 अक्टूबर को बंद होंगे। तुंगनाथ के कपाट 6 नवंबर 2025 को बंद होंगे। इन प्रमुख तीर्थस्थलों के कपाट बंद होने से पूर्व विशेष पंच पूजाएं और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे, जिसके बाद श्रद्धालु अगले छह माह तक मां यमुना और अन्य देवों के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर दर्शन कर सकेंगे। बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को शाम दो बजकर 56 मिनट पर बंद होंगे। कपाट बंद किए जाने के लिए 21 नवंबर से पंच पूजाएं शुरू होंगी। वहीं द्वितीय केदार भगवान मध्यमहेश्वर के कपाट 18 नवंबर से ही बंद हो जाएंगे। कपाट बंद करन के लिए विजयदशमी के अवसर पर ओंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ में पंचांग गणना के हिसाब से तारीख सुनिश्चित की गई।

- यमुनोत्री, मध्यमहेश्वर और तुंगनाथ
- धामों के बंद होने की तिथि भी आई

5 नवंबर को किया जाएगा देवरा प्रस्थान

बदरीनाथ धाम के कपाट बंद किए जाने के लिए विजयदशमी पर मंदिर प्रंगाण में वैदिक मंत्र उच्चारण किया गया। इसके साथ ही पंचांग गणना के आधार पर भगवान तुंगनाथ के शीतकालीन कपाट बंद करने की तारीख निकाली गई। वहीं कपाट बंद किए जाने से पहले सभी जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा। इसके लिए पांच नवंबर 2025 को देवरा प्रस्थान किया जाएगा। इसके बाद छह नवंबर 2025 को बाबा के कपाट सभी श्रद्धालुओं को आगामी 6 महीने के लिए बंद किए जाएंगे। डोली उसी दिन छह नवंबर को डोली चोपता नागक स्थान में रात्रि विश्राम करेंगे और सात नवंबर को भनकुन पहुंचेगी।

यमुनोत्री धाम के कपाट 23 को बंद

दीवाली के बाद भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के यमुनोत्री धाम के कपाट बंद किए जाएंगे। दशहरा पर्व पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास के लिए खरसाली गांव में स्थित यमुना मंदिर में आहूत बैठक हुई। इसी दौरान यमुनोत्री धाम के कपाट बंद करने की तारीख और मुहुर्त निकाला गया। यमुना मंदिर में आहूत बैठक के दौरान निकाली गई। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि तारीख और मुहुर्त के अनुसार, 23 अक्टूबर को विधि-विधान से धन लग्न अमृत वेला पर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट बंद कर दिए जाएंगे।

हरिभूमि बालभूमि
haribhoomi.com
शुक्रवार
3 अक्टूबर 2025
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

विशेष : वन्यजीव सप्ताह
2-8 अक्टूबर

दुनिया के ये अनोखे चिड़ियाघर

बच्चो, जू यानी चिड़ियाघर ऐसी जगह होती है, जहां कई तरह के एनिमल्स और बर्ड्स को रखा जाता है। उनकी पूरी देखभाल की जाती है। लेकिन दुनिया में कुछ जू ऐसे भी हैं, जहां की विशेषताओं के बारे में जानकर तुम हैरान रह जाओगे। जानो, दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग चिड़ियाघरों के बारे में।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

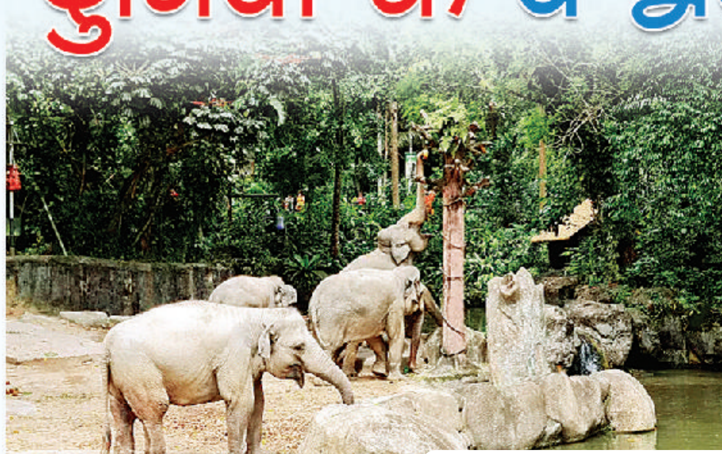

बच्चो, तुम्हारे शहर या आस-पास के किसी शहर में चिड़ियाघर यानी जू देखने तो तुम जरूर गए होगे। यहां तुम तरह-तरह के वन्य जीवों को देख सकते हो। यहां तुम उन जंतुओं को भी देख सकते हो, जिनके केवल चित्र या वीडियो तुमने अपनी किताबों में, इंटरनेट या टीवी पर ही देखे होंगे। चिड़ियाघर के कर्मचारियों की देख-रेख में रह रहे इन जानवरों को देखने, इनके बारे में जानने-समझने का अपना अलग रोमांच होता है। वैसे तो देश-दुनिया में हजारों चिड़ियाघर हैं। लेकिन आज हम तुम्हें कुछ ऐसे चिड़ियाघरों के बारे में बता रहे हैं, जो अपनी विशेषताओं के कारण बहुत अनोखे हैं।

लेहेलेदु वाइल्ड लाइफ जू , चीन

बच्चो, लगभग सभी चिड़ियाघरों में जानवरों और पक्षियों को पिंजरों में रखा जाता है। लेकिन जरा सोचो, वो चिड़ियाघर कैसा होगा, जहां जानवर तो खुले में घूमते हैं, लेकिन उन्हें देखने जाने वाले इंसानों को पिंजरे में बंद रखा जाता है। ऐसा ही एक चिड़ियाघर है, चीन के चोंगकिंग में स्थित लेहेलेदु वाइल्ड लाइफ जू। इस चिड़ियाघर में पशु-पक्षी अपने प्राकृतिक आवास में खुलेआम घूमते हैं। जबकि यहां आने वाले पर्यटक सुरक्षित पिंजरेनुमा गाड़ी में बंद होकर यहां घूमते हुए जानवरों और अन्य पशु-पक्षियों को बेहद करीब से देख सकते हैं, उन्हें खिला सकते हैं। चीते, शेर जैसे खतरनाक जानवर तो कई बार पर्यटकों से भरे पिंजरेनुमा गाड़ी पर चढ़ भी जाते हैं। सोचो, ये सब कितना रोमांचक होता होगा न!

सिंगापुर चिड़ियाघर, सिंगापुर

यह दुनिया के बेहतरीन चिड़ियाघरों में एक माना जाता है। इस चिड़ियाघर को 11 पारिस्थितिक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित प्रजातियों/जीव-जंतुओं के लिए उनके अनुकूल आवास बनाए गए हैं। इस जू में बच्चों के लिए कई विशेष कार्यक्रम भी तैयार किए गए हैं। जैसे- किड्स रेंजर टूर, जिसमें बच्चे चिड़ियाघर संचालक की भूमिका निभाते हैं। इस जू में एनिमल शो का भी आयोजन किया जाता है, जो यहां घूमने आए लोगों के लिए एक यादगार अनुभव होता है।

ग्रेटर वैंकूवर जू, कनाडा

ब्रिटिश कोलंबिया क्षेत्र में बना यह चिड़ियाघर वैंकूवर गेम फार्म के रूप में शुरू हुआ था। तब यहां मुख्यतया हिरण जैसे छोटे जानवर रखे जाते थे। बाद में जब यहां जानवरों का संरक्षण किया जाने लगा, तब इसका नाम बदल कर ग्रेटर वैंकूवर जू कर दिया गया। अब यहां रेस्क्यू किए गए या बेसहारा जानवर भी रखे जाते हैं। यहां उन जानवरों को पुनर्वास और सुरक्षित माहौल दिया जाता है। पर्यटक यहां जू के स्टाफ के साथ जा सकते हैं, उनसे जानवरों की देखभाल के तरीके जान सकते हैं। यहां जानवरों की 150 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें अमेरिका के सफेद शेर, चीते, तेंदुए, सहारा के रेगिस्तानी दुर्लभ एडैक्स हिरण, अमेरिकी एल्क हिरण, सफेद पेलिकन, अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी बॉल्ड ईगल, बाइसन, ओरेगॉन, पेंटेड टर्टल पर्यटको को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। पर्यटक चिड़ियाघर में ओपन ट्रेन सफारी राइड का मजा भी उठा सकते हैं, जिसमें बैठकर पूरे चिड़ियाघर के जानवरों को पर्यटक आसानी से देख सकते हैं।

वैंकूवर जू में 'जुरासिक पार्क' मूवी की थीम से मिलता-जुलता डायनासोर वर्ल्ड भी है। इनमें डायनासोर के कई बड़े-बड़े एनिमाट्रॉनिक वर्किंग मॉडल बनाए गए हैं, जो धीरे-धीरे हिलते हैं और डरावनी आवाज भी निकालते हैं। उनके आगे लगे बोर्ड से आने वाले पर्यटक उनके बारे में जानकारी भी ले सकते हैं।

हेनरी डोरली जू, अमेरिका

अमेरिका के नेब्रास्का में स्थित यह चिड़ियाघर, दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए मशहूर है। यहां जानवरों की एक हजार प्रजातियों के 20 हजार से अधिक जानवर रहते हैं। इस चिड़ियाघर में बड़े-बड़े इनडोर डोम (कांच के गुंबद) बनाए गए हैं, जिनमें इनडोर रेनफॉरेस्ट और दलदल (अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय जंगलों के जानवर और पौधे की तर्ज पर), दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर रेगिस्तान (अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी दक्षिण-पश्चिम के रेगिस्तान की तरह) को कृत्रिम रूप से बनाया गया है। यहां इन वातावरण में मिलने वाले जानवरों को भी रखा गया है।

इस चिड़ियाघर में दुनिया की सबसे बड़ी किंगडम ऑफ नाइट या रात्रिचर जानवरों को नॉक्टर्नल (रात्रिकालीन) माहौल में रखा जाता है। यानी कृत्रिम रूप से रात जैसा माहौल और तापमान बनाया जाता है, ताकि रात में सक्रिय होने वाले जीव-जंतुओं को दिन के समय भी सक्रिय देखा जा सके। इसके अलावा हेनरी डोरली चिड़ियाघर में उत्तर अमेरिका का सबसे बड़ा कैट कॉम्प्लेक्स भी है, जहां हिम तेंदुआ, अमूर बाघ, लाल पांडा जैसे हिमालय और एशिया की प्रजातियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां अफ्रीकी घास के मैदान में पाए जाने वाले जिराफ, हाथी, जेब्रा, शेर, हब्बर्ड गोरिल्ला वैली आदि देखे जा सकते हैं।

यहां सुजैन एंड वॉल्टर स्कॉट अंडरवॉटर टनल-एक्वेरियम में शार्क, रे, समुद्री कछुए, ट्रॉपिकल मछलियां जैसे विशाल महासागरीय जंतु भी देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर, हेनरी डोरली चिड़ियाघर पर्यटकों को जानवरों के साथ-साथ उनके पूरे ईकोसिस्टम को देखने, जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है। *

क्रोकोसॉरस कोव, ऑस्ट्रेलिया

रोमांच के शौकीन लोगों के लिए ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में स्थित यह चिड़ियाघर बेस्ट है। यह चिड़ियाघर मूलतः मगरमच्छों के लिए बना है। इनके साथ ही यहां कई तरह के जलीय, स्थलीय ऑस्ट्रेलियन सरीसृपों जैसे-

सर्प, छिपकली, कछुए का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह भी है। पर्यटक इन्हें बेहद करीब से देख सकते हैं। पर्यटक यहां केज ऑफ डेथ नामक कांच के पारदर्शी पिंजरे में बैठकर 16 फीट गहरे पानी में विशाल मगरमच्छों को बिल्कुल करीब से देखने का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। मगरमच्छों को खिलाने का शो दिन में दो बार होता है। यहां मगरमच्छ के छोटे बच्चों को हाथ में पकड़ने-उठाने और उसके साथ फोटो खिंचवाने का भी मौका मिलता है।

कविता / सिराज अहमद

आए-बाए-साए

जंगल है
जंगल में मंगल
उसमें भालू
दौड़े हल-बल
खुश हो कूदे
बंदर गल-गल
उड़-उड़ कौआ
गाना गाए
आए-बाए-साए।
बत्तख चलती
डगमग-डगमग
घोड़ा दौड़ा
टकबक-टकबक
तोता करता
बक-बक, बक-बक
बैठा उल्लू
आंख घुमाए
आए-बाए-साए।
इतने में
बादल आ धमके
आपस में
लड़-लड़कर बमके
जंगल में
बरसे फिर जम के
गिरकर बूंदें
शोर मचाए
आए-बाए-साए।

बूझो तो जानें

1 दूध से उपजता मैं,
रंग मेरा होता सफेद।
प्रतिरोधकता खूब बढ़ाता,
जल्दी बताओ मेरा भेद।

2 गोल आकार है मेरा,
पेट में बीजों का बसेरा।
पाचन को करता दुरुस्त,
जो चख ले स्वाद मेरा।

3 रंग मेरा है बैंगनी,
डायबिटीज करता कंट्रोल।
पेट में मेरे रहती गुठली,
आकार है मेरा गोल।

- अलका जैन 'आराधना'

उत्तर : 1.पनीर, 2.अमरूद, 3.जामुन

जीके क्विज-173

1. पिछले दिनों अपने देश में चलती हुई ट्रेन से किस मिसाइल की लॉन्चिंग की गई?
2. हाल ही में किसे सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला है?
3. चीन का शोक किस नदी को कहा जाता है?
4. ताज महल किस नदी के तट पर स्थित है?
5. अंतरिक्ष यात्रियों को आकाश का रंग कैसा दिखाई देता है?
6. पीसा की झुकी मीनार कहां स्थित है?
7. कागज का आविष्कार सबसे पहले किस देश में हुआ?
8. गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति किस स्थान पर हुई थी?
9. हमारे शरीर का कौन-सा अंग हमारे रक्त को शुद्ध करता है?
10. सेब में कौन-सा अम्ल पाया जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-173 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-172 का उत्तर : 1.मोहनलाल, 2.कार्लोस अल्काराज, 3. 2 अक्टूबर, 4.गोपाल कृष्ण गोखले, 5.रविंद्रनाथ टैगोर, 6.चंपारण आंदोलन, 7.भारत छोड़ो आंदोलन, 8.1942, 9.महात्मा गांधी, 10.लाल बहादुर शास्त्री

जीके क्विज-172 का सही उत्तर देने वाले : आद्या-उमरिया, रमेश-बैकुंठपुर, कबीर-हिसार, अंकित-रायगढ़, विवेक-ईमेल से, सपना-बिलासपुर, मनीष-रोहतक, सुमन-बलौदा बाजार, राकेश-रायपुर, पलाश-मटियारी, अमन-बालोद

कहानी
इंदिरा त्रिवेदी

ऋषभ को दोस्तों के साथ सेल्फी और रील बनाने में बड़ा मजा आता था। इस चक्कर में वह खतरे भी मोल ले लेता था। एक बार ऋषभ अपने दोस्तों के साथ एक हिल स्टेशन पर गया। वहां सेल्फी में सनसेट का व्यू लेने में चक्कर में ऋषभ का पैर स्लिप हो गया, इसके बाद जो हुआ, उसके लिए बहुत बड़ा सबक था।

लाइक, कमेंट का चक्कर

आजकल मम्मी, ऋषभ की सेल्फी लेने और रील बनाने की बढ़ती आदत से बहुत परेशान हैं। वह जब देखो, जहां देखो वहां, सेल्फी लेने लगता है या फिर ऊटपटांग रील बनाता है। मम्मी-पापा ने उसे कितनी बार समझाया, 'ऋषभ पढ़ाई पर ध्यान दो, भविष्य में पढ़ाई ही काम आएगी।' लेकिन उसके कानों पर जूं नहीं रेंगती।

कोरोना के पहले की स्थिति बिल्कुल अलग थी। वह पूरा ध्यान पढ़ाई में लगाता था, लेकिन जब कोराना के समय पढ़ाई मोबाइल के जरिए होने लगी तो उसका स्क्रीन टाइम बढ़ गया, आगे और ज्यादा बढ़ता ही चला गया। मोबाइल की तो जैसे उसकी लत ही लग गई। फिर उसका दोस्त सूरज, उसे सोशल मीडिया के न जाने कौन-कौन से प्लेटफॉर्म पर रील बनाकर अपलोड करने की सलाह देता रहता। ऋषभ को जैसे इसका चस्का ही लग गया।

सेल्फी लेते समय बच्चों द्वारा की गई लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में आए दिन अखबारों में छपता रहता है। मम्मी-पापा अकसर उसे इन खबरों के बारे में बताते और समझाते रहते हैं। वह 'हां-हां' कहता, लेकिन अगले दिन फिर वह सेल्फी लेने और रील बनाने में व्यस्त हो जाता।

अभी पंद्रह दिन पहले की ही बात है। सेल्फी लेने के चक्कर में दो दोस्त इतने मशगूल हो गए कि उन्हें पता ही नहीं चला कि कब वे सड़क के बीचों-बीच आ गए और दुर्घटना का शिकार हो गए। मम्मी कई बार सोचतीं कि ऋषभ को समझाऊं कैसे? लेकिन उन्हें कोई उपाय नहीं सूझता।

रविवार का दिन था। ऋषभ बड़ी जल्दी सोकर उठ गया। यह देख मम्मी ने उससे पूछा, 'क्या बात है, आज तो तुम बड़ी जल्दी उठ गए?'

'अरे कुछ नहीं, वो सूरज के साथ कहीं घूमने जाना है।' ऋषभ बोला।

'क्या सेल्फी लेने और रील बनाने की कोई जुगाड़ हो गई है?' मम्मी ने जानना चाहा।

'अरे नहीं मां, आज छुट्टी है, इसलिए ऐसे ही घूमने जा रहे हैं।' ऋषभ ने बात बनाई।

'अच्छा सुन, किसी खतरनाक जगह पर मत जाना और अपना खयाल रखना।' मम्मी यह हिदायत देकर अपने काम में लग गईं।

'मम्मी, चिंता मत करो।' कहकर ऋषभ अपने दोस्त सूरज के साथ चला गया।

शाम करीब सात बजे मम्मी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया। उन्होंने उसे नहीं उठाया, क्योंकि आजकल होने वाली फ्रॉड की घटनाओं को देखते हुए अनजान कॉल रिसीव नहीं करती थीं। दो-तीन बार जब फोन की घंटी बजी तो मम्मी डर गईं। ऋषभ की सेल्फी की आदत से वह वैसे ही डरी-डरी रहती थीं। रह-रह कर उनके मन में बुरे-बुरे खयाल आने लगे।

उधर वही हुआ, जिसका डर था। ऋषभ और सूरज दोनों अपने शहर से दूर एक हिल स्टेशन पर गए थे। आज चूंकि मौसम बहुत अच्छा था, सूरज के अलावा ऋषभ के चार दोस्त और उनके साथ हो लिए थे, तो सब बहुत मस्ती के मूड में थे। सारे दोस्त किराए की एक जीप में सवार होकर हिल स्टेशन पहुंचे थे। सड़क पर कई जगहों पर रुक-रुक कर उन सभी ने सेल्फी ली और ढेर सारी रील्स भी बनाईं। उन सबको बहुत मजा आ रहा था, लेकिन सेल्फी में सनसेट का व्यू लेने के चक्कर में ऋषभ का पैर स्लिप हो गया। वह 80 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरने ही वाला था कि उसके साथियों ने उसे कसकर पकड़ लिया। ऋषभ को तो एक पल को लगा कि आज उसकी जान ही चली जाएगी। उसे मम्मी-पापा की हिदायतें रह-रह कर याद आने लगीं। वह यही सोचने लगा कि अगर उसे कुछ हो जाता तो बुढ़ापे में मम्मी-पापा का सहारा कौन बनता? उसकी छोटी बहन, जो उसे हर साल राखी बांधती है, वह उसकी रक्षा का वचन देता है, वो किसको राखी बांधती, कौन उसे रक्षा का वचन देता? उसके दादा-दादी की देखभाल कौन करता? ये सारी बातें उसके मन में आईं। ऋषभ ने फैसला किया कि अब वह सेल्फी लेने का अपना मोह छोड़ देगा। महज लाइक्स और कमेंट के लालच में अपनी जान दांव पर नहीं लगाएगा।

ऋषभ जब घर पहुंचा तो बहुत उदास था। मम्मी ने पूछा, 'बेटा क्या हुआ, इतने उदास क्यों हो?'

ऋषभ ने मम्मी को आज का सारा वाकया कह सुनाया। तब मम्मी को भी ध्यान आया कि उसके मोबाइल पर भी एक अंजान कॉल आई थी। मम्मी ने पूछा तो उसने अपने दोस्तों के बारे में बताया और यह भी बताया कि उस घटना के दौरान ही सूचना देने के लिए ऋषभ के दोस्त ने उन्हें कॉल किया था। ऋषभ ने कहा, 'मम्मी, मैं समझ गया कि मैंने आज जो किया, वह बहुत गलत है। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए।'

'चलो, देर आए दुरुस्त आए।' मम्मी ने उसके सिर पर हाथ फेरा। ऋषभ की बातों से उन्होंने राहत की सांस ली। *

कविता
डॉ. राकेश 'चक्र'

और बताओ मुझको नानी

सोचो नानी मुझे बताओ,
कैसे फूल डाल पर महकें।
भिन्न स्वाद के फल हम खाते,
खा पक्षी पेड़ों पर चहकें।।
और बताओ मुझको नानी,
बुलबुल क्यों गाती है गाना!
कभी हवा संयत हो जाए,
कभी बदल लेती है बाना!
मुझको नानी यह समझाओ,
तोते क्यों हरियल होते हैं?
और मोर के पंख निराले,
इतने रंगों के होते हैं!
प्यारी नानी, मुझे बताओ,
दिनकर क्यों है आग उगलता?
चंदा-मामा के मुखड़े पर,
खड्डे जैसा दाग झलकता!
और बताओ मुझको नानी,
बादल कैसे जल बरसाते?
कैसे सागर से जल लाकर,
भू,जीवों की प्यास बुझाते!
और बताओ मुझको नानी,
क्यों सागर का जल खारा है?
ऋतुओं की अदली-बदली से,
घटता बढ़ता क्यों पारा है?
कर दुलार, नानी फिर बोली,
प्रभु की ही है यह सब माया।
ईश्वर ही सबका मालिक है,
जिसने यह संसार बनाया।।

रंग भरो-186

रंग भरो-186 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

जॉन, अंबिकापुर

आशना, जांजगीर

आन्या, दुर्ग

रेयांश, बिलासपुर

माही, महासमुंद

डॉली, मटियारी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डिंपल-दुर्ग, पलक-अटेली मंडी, भूमिश-बिलासपुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, हरीश-करनाल, विनोद-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 187

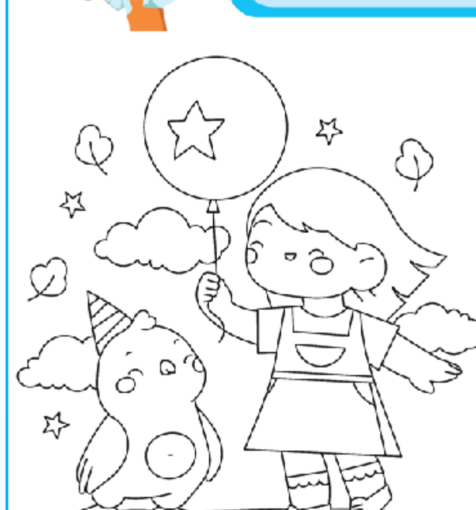

बच्चो, यहां बैलून से खेलती हुई लड़की और एक बर्ड का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

अब भी 5,884 करोड़ के 2000 के नोट चलन में

मुंबई। चलन से हटाए जा चुके 2,000 रुपये के 5,884 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि 2000 रुपये के बैंक नोट अब भी वैध मुद्रा बने हुए हैं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ सात को खुलेगा

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के एलजी समूह की भारतीय इकाई, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित 11,607 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) सात अक्टूबर को बोली के लिए खुलेगा। इससे कंपनी मूल्यांकन लगभग 77,400 करोड़ रुपये (8.7 अरब अमेरिकी डॉलर) हो जाएगा।

सरकार ने 25 विदेशी क्रिप्टो कंपनियों को नोटिस भेजा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की वित्तीय आसूचना इकाई-भारत ने 25 विदेशी वर्चुअल डिजिटल एसेट (वीडीए) प्रदाताओं को नियमों का अनुपालन न करने पर नोटिस जारी किया है। इनमें ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स स्थित क्रिप्टो एक्सचेंज एलबैंक और बिंगएक्स भी शामिल हैं। वेबसाइटसार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने से रोकने का आदेश भी दिया गया है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका, शेल और फाइजर के बाद पीएंडजी ने कहा 'टाटा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने पाकिस्तान में कारोबार बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी टाइड, पैम्पर्स जैसे ब्रांड्स बनाती है। अब कंपनी पीएंडजी थर्ड-पार्टी डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल अपनाएगी। कर्मचारियों को विदेशी नियुक्ति या सेपरेशन पैकेज मिलेगा। इससे पहले शेल और फाइजर ने अपना कारोबार पाकिस्तान में बंद कर दिया है।

- कंपनी टाइड पैम्पर्स जैसे ब्रांडस बनाती है

पाकिस्तान को एक के बाद एक बड़ा झटका लग रहा है। ऐसे ही देश कर्ज पर चल रहा है। इसी बीच पहले तो शेल और फाइजर ने देश से अपना बिजनेस बंद कर दिया था। अब एक और दिग्गज कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी ने वैश्विक पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा के कुछ महीनों बाद, पाकिस्तान में अपना कारोबार बंद करने की घोषणा की है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल अगले दो साल में 7000 जॉब कट्स करेगी

कब से था कारोबार?

पीएंडजी ने 1991 में पाकिस्तान में बिजनेस शुरू किया था और पैम्पर्स, सेफगार्ड, एरियल, हेड एंड शोल्डर्स और पैंटीन जैसे ब्रांड्स के साथ देश की टॉप कंज्यूमर गुड्स कंपनी बन गई। इसने 1994 में एक साबुन प्लांट और 2010 में एक डिटर्जेंट प्लांट खरीदकर अपने बिजनेस को बढ़ाया। कंपनी ने कहा कि पाकिस्तान में कंज्यूमर्स को सर्विस देने के लिए थर्ड-पार्टी डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल सबसे सही रास्ता है। कर्मचारियों को विदेश में जॉब्स या सेपरेशन पैकेज ऑफर किए जाएंगे।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बाहर जाना जारी

जिलेट पाकिस्तान का बोर्ड डीलिस्टिंग जैसे कदमों पर विचार करने के लिए मीटिंग करेगा। कंपनी के शेयर्स 10 प्रतिशत की डेली लिमिट तक बढ़कर तीन हफ्तों के हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गए। जिलेट पाकिस्तान के पूर्व सीईओ साद अमानुल्लाह खान ने हाई बिजली कॉस्ट, खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेगुलेटरी प्रेशर का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस तरह की एग्जिट्स से सरकार को समझ आएगा कि सब कुछ ठीक नहीं है। वो चाहते हैं कि हालात सुधरें ताकि मल्टीनेशनल कंपनियों का एग्जिट रुक जाए।

कमजोर डिमांड कारोबार बंद करने का प्रमुख कारण

पीएंडजी ने जून में बताया था कि वो अपने ब्रांड्स की संख्या कम करेगी और अगले दो साल में 7,000 जॉब्स कट करेगी। कंपनी ने ट्रेड टैरिफ्स और कमजोर डिमांड की वजह से अपने गाइडेंस को भी कम किया था। इस फैसले के साथ, पीएंडजी उन मल्टीनेशनल कंपनियों में शामिल हो गई है, जो पाकिस्तान में बिजनेस कम कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, निर्धारित लक्ष्य से अधिक मिले प्रस्ताव

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मिला शानदार रिस्पॉन्स, 1.15 लाख करोड़ के ऑफर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना को 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि योजना को बनाते समय निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में ये प्रस्ताव निवेश, रोजगार और उत्पादन के लक्ष्यों से कई गुना अधिक हैं।

वैष्णव ने कहा, '' इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लिए आवेदन की अवधि 30 सितंबर को समाप्त हो गई। हमें 1,15,351 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।'' मंत्री ने कहा कि कुल आवेदनों में से करीब 60 प्रतिशत छोटे एवं मझोले उद्यमों से आए हैं।

60 फीसदी आवेदन एमएसएमई के लिए आए

वैष्णव ने कहा, '' करीब 60 प्रतिशत आवेदन एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) से आए हैं। यह बहुत उत्साहजनक है क्योंकि जब छोटी कंपनियां कार्यक्रम और नीति पर विश्वास दिखाती हैं तो यह एक बड़ा बदलाव आता है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के तहत करीब 59,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करने की परिकल्पना की है और पूंजीगत उपकरण खंडों के लिए आवेदन अब भी दिये जा सकते हैं।

निवेश प्रस्ताव से इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

कुल 249 कंपनियों ने किया आवेदन जमा

चीन वर्तमान में पूंजीगत उपकरण क्षेत्र में हावी है और हाल ही में उसने देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए वस्तुओं, विशेष रूप से आईफोन की आपूर्ति अनौपचारिक रूप से रोक दी थी। वैष्णव ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विनिर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।कुल 249 कंपनियों ने आवेदन जमा किए हैं जिनकी मंजूरी से पहले एक समिति द्वारा जांच की जाएगी।

- योजना के लिए आवेदन की अवधि 30 सितंबर को समाप्त हो गई
- योजना के तहत 1,15,351 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं

प्रस्तावों से 1.41 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

वैष्णव ने कहा, '' 4,56,500 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले हमें 10,34,000 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादन अनुमान प्राप्त हुए हैं।'' इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि प्रस्तावों से 1.41 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजन का वादा किया गया है जबकि योजना के तहत 91,600 लोगों के लिए रोजगार का लक्ष्य रखा गया है।

मोबाइल व आईटी हार्डवेयर के लिए 35,813 करोड़ के प्रस्ताव

योजना के तहत मोबाइल फोन, आईटी हार्डवेयर उत्पादों और अन्य संबंधित उपकरणों के लिए 35,813 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स वर्तमान में 'एनक्लोजर' खंड में अग्रणी कंपनियों में से एक है जो आईफोन के लिए उत्पाद बनाती है।

इन क्षेत्रों के लिए निवेश प्रस्ताव मिले

कंपनियों ने जिन प्रमुख क्षेत्रों में बड़े निवेश के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं उनमें लचीले मुद्रित सर्किट बोर्ड (16,542 करोड़ रुपये), इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण (14,362 करोड़ रुपये), मल्टी-लेयर पीसीबी (14,150 करोड़ रुपये), सब-असेंबली और बेयर घटकों की आपूर्ति श्रृंखला (9,226 करोड़ रुपये), डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली (8,642 करोड़ रुपये), कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली (6,205 करोड़ रुपये) और लिथियम आयन सेल (4,516 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

पूंजीगत वस्तुओं के लिए 2103 करोड़ के प्रस्ताव मिले

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में प्रयुक्त पूंजीगत वस्तुओं के लिए 2,103 करोड़ रुपये, ऑप्टिकल ट्रांसीवर के लिए 1,645 करोड़ रुपये, गैर-एसएमडी निष्क्रिय उपकरणों में 1,608 करोड़ रुपये और एसएमडी निष्क्रिय उपकरणों के लिए 535 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

घरों की बिक्री में बड़ी गिरावट मुंबई और पुणे का बुरा हाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- जुलाई-सितंबर की अवधि में बिक्री 17 फीसदी घटी
- मकानों की कीमतों में तेज उछाल और मांग में कमी है वजह

मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में जुलाई-सितंबर की अवधि में घरों की बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 49,542 इकाई रह गई। प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट डाटा एनालिटिक्स कंपनी के मुताबिक, घरों की बिक्री में गिरावट मकानों की कीमतों में तेज उछाल और मांग में कमी की वजह से आई है। पिछले साल की समान अवधि में एमएमआर और पुणे में कुल 59,816 घरों की बिक्री हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमएमआर के ठाणे में घरों की बिक्री में सबसे ज्यादा 28 प्रतिशत की गिरावट आई और बिक्री घटकर 14,877 इकाई रह गई। एक साल पहले यहां 20,620 इकाइयों की बिक्री हुई थी। मुंबई शहर में बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 9,691 इकाई रह गई जबकि नवी मुंबई में बिक्री छह प्रतिशत घटकर 7,212 इकाई पर आ गई। पुणे में भी आवास बिक्री 16 प्रतिशत घटकर 17,762 इकाई रह गई जो पिछले साल की समान तिमाही में 21,066 इकाई थी। रियल एस्टेट संगठन क्रेडाई-एमसीएचआई ने घरों की बिक्री कम होने पर कहा कि सितंबर तिमाही में आई यह गिरावट चिंता का विषय नहीं है और त्योहारों में मांग बढ़ने की संभावना है। क्रेडाई-एमसीएचआई के अध्यक्ष सुखराज नाहर ने कहा, ''सितंबर तिमाही में बाजार के पुनर्संतुलन का दौर देखा गया। एमएमआर और पुणे में आवास की मांग बेहद मजबूत है। मेट्रो कॉरिडोर, कोस्टल रोड और नवी मुंबई

बिक्री नई परियोजनाओं से ही अधिक

नाहर ने कहा कि कई उप-बाजारों में बिक्री अब भी नयी परियोजनाओं से अधिक है, जो स्वस्थ समायोजन को दर्शाती है। प्रॉपइक्विटी के मुताबिक, देश के शीर्ष नौ शहरों में आवासीय बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर चार प्रतिशत और तिमाही आधार पर एक प्रतिशत घटकर 1,00,370 इकाई रही।

सेबी ने नुवामा के म्यूचुअल फंड में प्रवेश को मंजूरी दी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा कंपनी नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को अपने प्रस्तावित म्यूचुअल फंड व्यवसाय की स्थापना के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट ने बताया, '' सेबी ने एक अक्टूबर 2025 को पत्र के माध्यम से कंपनी को प्रायोजक के रूप में कार्य करने और प्रस्तावित नुवामा म्यूचुअल फंड की स्थापना करने की मंजूरी दे दी है।'' नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को इससे विशेष निवेश फंड श्रेणी सहित म्यूचुअल फंड के अंतर्गत योजनाएं शुरू करने में मदद मिलेगी। म्यूचुअल फंड के पंजीकरण के लिए अंतिम मंजूरी सेबी द्वारा दी जाएगी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

वीवर्क इंडिया ने बड़े निवेशकों से जुटाए 1,348 करोड़ रुपए

- कंपनी कार्यस्थल मुहैया कराती है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सह-कार्यस्थान मुहैया कराने वाली कंपनी वीवर्क इंडिया ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले बड़े (एंकर) निवेशकों से 1,348 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

बीएसई की वेबसाइट पर बुधवार देर रात जारी परिपत्र के अनुसार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी एमएफ, मोतीलाल ओसवाल एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ, एक्सिस एमएफ, केनरा-रोबेको एमएफ जैसे म्यूचुअल फंड के साथ-साथ केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस और कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस जैसी बीमा कंपनियों की इसमें व्यापक भागीदारी रही। परिपत्र में कहा गया कि गोल्डमैन सैक्स फंड, अल मेहवार कमर्शियल इन्वेस्टमेंट्स एलएलसी (वांडा) और एलियांज ग्लोबल इन्वेस्टर्स की ओर से मजबूत मांग के साथ वैश्विक रुचि समान रूप से उल्लेखनीय रही। इसमें कहा गया कि वीवर्क इंडिया ने 67 फंड को 648 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 2,08,06,548 शेयर आवंटित किए। इस तरह लेनदेन का आकार 1,348.26 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने अपने आगामी 3,000 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 615 से 648 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरे तय किया है।

कंपनी 10 अक्टूबर को शेयर बाजार में होगी सूचीबद्ध

एम्बेसी समूह के पास वर्तमान में वीवर्क इंडिया में करीब 76.21 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि वीवर्क ग्लोबल के पास 23.45 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी की परिचालन क्षमता बढ़ी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में 112.5 मेगावाट क्षमता की बिजली परियोजनाओं का परिचालन शुरू कर दिया है, जिससे उसकी कुल उत्पादन क्षमता 16,598.6 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने अपनी अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी सिक्स लि. के माध्यम से 87.5 मेगावाट की सौर परियोजना का संचालन शुरू किया है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ट्वेंटी फाइव बी लि. के माध्यम से उसी स्थान पर 25 मेगावाट की एक हाइब्रिड परियोजना चालू की गई है। प्रासंगिक मंजूरी के आधार पर इन संयंत्रों को चालू करने और 30 सितंबर, 2025 से बिजली उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया गया।

नेस्ले का खाद्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाने सरकार से समझौता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

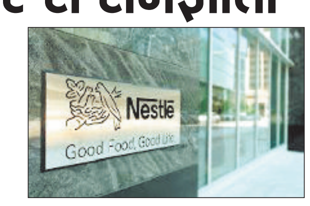

मैगी, किटकैट एवं नेसकैफे जैसे उत्पाद बनाने वाली नेस्ले इंडिया ने खाद्य उद्योग में निवेश को तेज करने के लिए सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नेस्ले इंडिया ने वर्ल्ड फूड इंडिया शिखर सम्मेलन के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य 'अगले दो से तीन वर्षों में ओडिशा और उसके मौजूदा उत्पादन केंद्रों में नई और पुरानी परियोजनाओं में निवेश में तेजी लाना है।'

भारत के तांबा उद्योग ने यूएई से बढ़ते आयात पर चिंता जताई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय प्राथमिक तांबा उत्पादक संघ (आईपीसीपीए) ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से तांबे की छड़ों के बढ़ते आयात पर चिंता जाहिर की और आगाह किया कि इस प्रवृत्ति से तांबा शोधन में घरेलू निवेश को खतरा है।

भारतीय उत्पादकों में 1996 से हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, वेदांता लिमिटेड और कच्छ कॉपर लिमिटेड (अदाणी समूह) ने 12.5 लाख टन की घरेलू परिष्कृत तांबा उत्पादन क्षमता का निर्माण किया है जबकि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित मांग 85 लाख टन है।उद्योग की आने वाले दशक में क्षमता का और विस्तार करने की योजना है। आईपीसीपीए ने वाणिज्य मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि सीईपीए इन योजनाओं में ''एक बड़ी बाधा'' बन रहा है क्योंकि यूएई तांबे के खनन, प्रगलन या शोधन का कोई बुनियादी ढांचा न होने के बावजूद भारत को तांबे की छड़ें निर्यात कर रहा है और उसका मूल्यवर्धन नगण्य है। आईपीसीपीए के अनुसार, यूएई की कंपनियां केवल आयातित तांबे के कैथोड को छड़ों में परिवर्तित करती हैं जिससे शुल्क वर्गीकरण तो बदल जाता है। लेकिन वास्तविक मूल्य में नगण्य वृद्धि होती है। संघ ने भारत-आसियान और भारत-जापान जैसे अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत इसी तरह के रुझान का हवाला देते हुए आगाह किया और कहा, ''हम सीईपीए के तहत आयात में स्पष्ट वृद्धि देख रहे हैं और शुल्कों को शून्य पर लाने के बाद इसमें और वृद्धि की उम्मीद है।''

- तांबे की छड़ों के बढ़ते आयात पर आईपीसीपीए ने जताई चिंता
- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित मांग 85 लाख टन है

शब्द पहेली - 6007

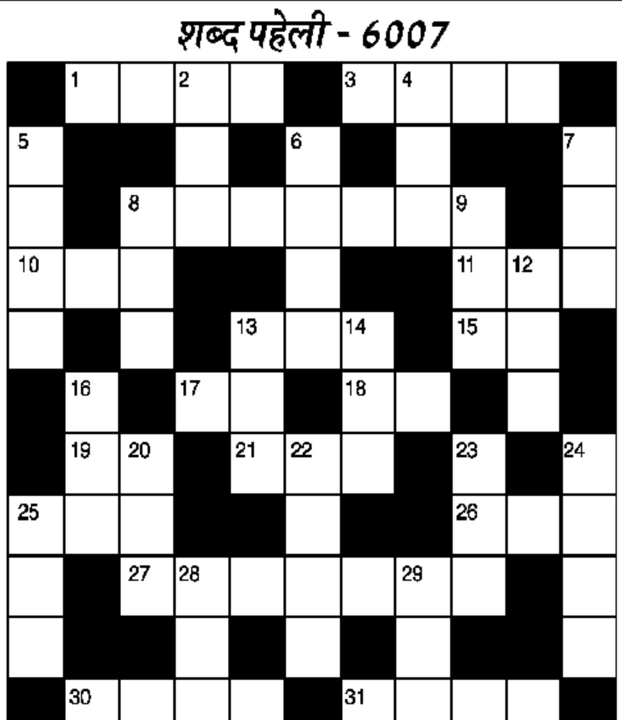

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6006 का हल

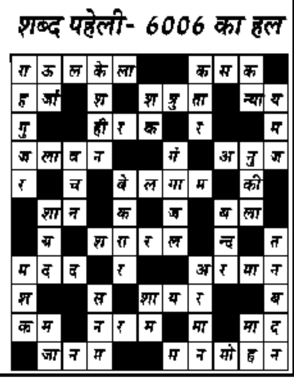

सूडोकु नवताल - 6017

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6016 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

प्रथम पृष्ठ का शेष

पड़ोसी देशों में...

संघ की वार्षिक विजयादशमी रैली को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद अन्य देशों की प्रतिक्रियाओं से भारत के साथ उनकी मित्रता के स्वरूप और प्रगाढ़ता का पता चला। यह रैली ऐसे समय में हुई जब आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष भी मना रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित रहे। भागवत ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी जयंती दो अक्टूबर को मनाई जाती है। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी का योगदान अद्वितीय है, जबकि शास्त्री जी का जीवन और समय, समर्पण तथा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वे व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र के ऐसे उदाहरण हैं जिनका हमें अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने श्रीलंका, बांग्लादेश में अशांति और नेपाल में 'जेन जेड' प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए कहा कि असंतोष का स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच दूरी तथा योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव है। संघ प्रमुख ने कहा, भारत में ऐसी अशांति फैलाने की चाह रखने वाली ताकतें देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। असंतोष के स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच का विच्छेद और योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव हैं। हालांकि, हिंसा में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही इस तरह का परिवर्तन प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हिंसक परिस्थितियों में इस बात की आशंका रहती है कि दुनिया की प्रमुख शक्तियां अपना खेल खेलने के अवसर तलाशने की कोशिश करें। भागवत ने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों से संस्कृति और नागरिकों के बीच दीर्घकालिक संबंधों के माध्यम से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, एक तरह से वे हमारे अपने परिवार का हिस्सा हैं। इन देशों में शांति, स्थिरता, समृद्धि और सुख-सुविधा सुनिश्चित करना, इन देशों के साथ हमारे स्वाभाविक जुड़ाव से उपजी आवश्यकता है, जो हमारे हितों की रक्षा से कहीं आगे है। भागवत ने स्वदेशी और स्वावलंबन पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक परस्पर निर्भरता एक बाध्यता नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपनाई गई शुल्क नीति पूरी तरह से उनके अपने हितों पर आधारित है और यह भारत के लिए कोई चुनौती नहीं है। उन्होंने कहा, ''दुनिया परस्पर निर्भरता के माध्यम से संचालित होती है। 'आत्मनिर्भर' बनकर और वैश्विक एकता के प्रति जागरूक होकर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह वैश्विक परस्पर निर्भरता हमारे लिए बाध्यता न बने और हम अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने में सक्षम हों। स्वदेशी और स्वावलंबन का कोई विकल्प नहीं है। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि देश को वैश्विक नेता बनाने के लिए नागरिकों में उत्साह है, लेकिन मौजूदा आर्थिक प्रणाली की खामियां वैश्विक स्तर पर उजागर हो रही हैं, जिनमें बढ़ती असमानता और आर्थिक शक्ति का केंद्रीकरण शामिल है। भागवत ने जलवायु परिवर्तन पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, दक्षिण-पश्चिम एशिया की संपूर्ण जल आपूर्ति हिमालय से आती है। हिमालय में इन आपदाओं का आना भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के लिए खतरे की घंटी मानी जानी चाहिए।

सबसे बड़ा समर्पण,...

समक्ष यह समर्पण किया। नक्सल इतिहास में एक साथा समर्पण का यह पहला मौका है। नक्सलियों के कोर इलाके में फोर्स के बढ़ते दबाव और सरकार की नक्सलवाद को लेकर नई नीति से स्थानीय युवा जो भटक कर नक्सलियों के झांसे में आ गए थे, वो अब घर वापसी कर रहे है। दो दिन बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर आ रहे है उनके आगमन से पूर्व बड़ी संख्या में नक्सलियों ने समर्पण किया है। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों में डीव्हीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम, प्लाटून पार्टी सदस्य, डीएकेएमएस अध्यक्ष, सीएनएम अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, मिलिशिया कमाण्डर व डिप्टी कमांडर, जनताना सरकार अध्यक्ष, पीएलजीए सदस्य, सीएनएम सदस्य, जनताना सरकार उपाध्यक्ष, डीएकेएमएस उपाध्यक्ष, जनताना सरकार सदस्य, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, जीपीसी, डीएकेएमएस सदस्य व भूमकाल मिलिशिया सदस्य शामिल है। संगठन के विचारों से हुआ मोहभंग-इतने नक्सलियों के एक साथ समर्पण को स्थानीय नक्सलियों का संगठन के विचारों से मोहभंग मिली निराशा एवं संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद, समाज की मुख्यधारा में जुड़कर सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की चाह को माना जा रहा है। जनवरी 2025 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 421 माओवादी गिरफ्तार हुए, जबकि 410 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं, बीजापुर जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 137 माओवादी मारे गए है। वहीं जनवरी 2024 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 924 माओवादी गिरफ्तार किए जा चुके है। वहीं 599 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया एवं जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 195 माओवादी मारे गए है। आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी माओवादियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50-50 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया।

विजयादशमी पर...

कदम प्रदेश के शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की दिशा में एक निर्णायक पड़ाव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की "आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025" और "नियद नेल्ला नार योजना" ने लाल आतंक के भ्रम से भटके लोगों के दिलों में विश्वास और आशा का दीप प्रज्वलित किया है। "पूना मारगेम अभियान" से प्रेरित होकर बीजापुर में कुल 103 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 49 नक्सली वे भी हैं, जिन पर कुल 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपए तक का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नई शुरुआत के लिए 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। साथ ही, नक्सल उन्मूलन नीति के अंतर्गत उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर दिया जा रहा है। अब तक 1890 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जो सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता और जनता के विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मुठभेड़ में एसीएम...

रुक-रुककर फायरिंग जारी है। बीजापुर जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। अभियान के दौरान गुरूवार सुबह 11 बजे से सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। आईजी ने कहा कि ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती, ताकि ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ऑपरेशन पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत रिपोर्ट अलग से साझा की जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री...

के लिए बीएसएफ के विशेष विमान ने उड़ान भरेंगे। वे रात को 8.00 बजे रायपुर विमान तल पहुंचेंगे। विमान तक पर उनका मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश के अन्य मंत्रियों के साथ भाजपा के नेता स्वागत करेंगे। विमानतल से श्री शाह होटल मेफेयर जाएंगे और यहां पर रात्रि विश्राम करेंगे।

बस्तर के कार्यक्रम...

का अवलोकन करने के साथ यहां पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के बाद भोजन करेंगे और फिर 3.10 बजे दोपहर को बीएसएफ के विशेष विमान से वापस लौट जाएंगे।

पद्मविभूषण पंडित...

छन्नू लाल जी की पहचान थी। इसके बगैर काशी की होली कभी पूर्ण नहीं मानी जाती थी। एक धार्मिक भजन है जो फागुन के महीने में भगवान शिव के श्मशान घाट में भूत-पिशाचों के साथ होली खेलने का वर्णन करता है, जिसमें "दिगंबर" भगवान शिव का एक विशेषण है जो उनके नग्न रूप को दर्शाता है। परिवार के सूत्रों ने बताया कि मिश्र ने सुबह चार बजे अंतिम श्वांस ली। वह पिछले काफी दिनों से बीमार थे और मिर्जापुर में अपनी सबसे छोटी बेटी के परिवार के साथ रहते थे। छन्नूलाल की बेटी नम्रता मिश्र ने बताया, उम्र संबंधी समस्याओं के कारण वह पिछले 17-18 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। आज सुबह करीब साढ़े चार बजे घर पर उनका निधन हो गया। उन्होंने बताया कि वैसे तो उनकी तबीयत पिछले छह-सात महीने से खराब थी। फेफड़ों में संक्रमण के कारण सांस लेने में दिक्कत भी हो रही थी। इसके अलावा उनके शरीर में हीमोग्लोबिन की भी कमी थी। कुछ दिन पहले उन्हें दिल का दौरा भी पड़ा था जिसके बाद उन्हें बीएचयू (काशी हिंदू विश्वविद्यालय) रेफर किया गया था। मिश्र का अंतिम संस्कार शाम पांच बजे वाराणसी में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी महान शास्त्रीय कलाकार के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भारतीय शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ, 'पद्म विभूषण' प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं शास्त्रीय संगीत विधा की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

गगनभेदी आतिशबाजी...

बनने का अवसर दिया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को विजयदशमी की बधाई एवं शुभकामना संदेश दिए। नेशनल क्लब के संरक्षक जी. स्वामी और सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति से जुड़े उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस उत्सव का साक्षी नने के लिए सीएम विष्णु देव साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर, अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा सहित कई चर्चित चेहरे मंचस्थ थे। श्रीराम विजयदशमी के अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री ने संयुक्त रूप से रिमोट का बटन दबाते हुए असत्य के प्रतिक रावण और सत्य के स्वरूप भगवान श्रीराम के प्रसंगों का बखान करते हुए रावण के 101 फीट ऊंचे रावण और 81-81 फीट ऊंचे कुंभकरण व मेघनाथ के प्रतिक स्वरूप पुतलों का दहन करते हुए लोगों को उत्सव मनाने का अवसर दिया।

असत्य पर सत्य...

आयोजन के लिए बधाई देते हुए शुभकामना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 35 वर्ष बाद मुझे विजयदशमी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने के लिए आप सभी को बधाई।

राहुल का आरएसएस-...

उन्होंने कहा कि परंपरा और सोचने के तरीके के मामले में भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है। विपक्ष के नेता ने कहा, मैं भारत को लेकर बहुत आशावादी हूं, लेकिन साथ ही, भारतीय ढांचे में कुछ कमियां भी हैं, कुछ जोखिम भी हैं जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। राहुल गांधी ने कहा, भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। भारत वास्तव में अपने सभी लोगों के बीच एक संवाद वाला देश है। विभिन्न विचारों, धर्मों और परंपराओं के लिए स्थान होना आवश्यक है। उस स्थान को बनाने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उन्होंने आरोप लगाया, वर्तमान में, भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है, इसलिए यह एक जोखिम है। दूसरा बड़ा जोखिम है विभिन्न विचारधाराएं- विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषाएं। इन विभिन्न परंपराओं को फलने-फूलने देना, उन्हें खुद को व्यक्त करने के लिए स्थान देना भारत जैसे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम वह नहीं कर सकते जो चीन करता है, यानी लोगों का दमन करना और एक अधिनायकवादी व्यवस्था चलाना। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया, हमारा (राष्ट्रीय) स्वरूप इसे स्वीकार नहीं करेगा। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के चार देशों का दौरा कर रहे राहुल गांधी ने कोलंबियाई राष्ट्रपति सीनेट लिडियो ग्रासिया से भी मुलाकात की। आर्थिक विकास और बेरोजगारी की चुनौती-राहुल ने भारत की आर्थिक स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत में आर्थिक विकास के बावजूद रोजगार सृजन में कमी है, क्योंकि अर्थव्यवस्था सेवा-आधारित है और उत्पादन क्षेत्र कमजोर है। उन्होंने इसे भारत की एक बड़ी कमी बताया, जिसे दूर करना जरूरी है। राहुल के इस बयान ने एक बार फिर भारत के लोकतंत्र और आर्थिक चुनौतियों पर वैश्विक मंच से चर्चा को हवा दी है।

भाजपा ने राहुल...

तहत गांधी-वाड्रा परिवार ने 70 साल तक देश को गरीब रखा और देश को पिछड़ा रखने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि जब पूरा गांधी-वाड्रा परिवार देखता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, तो राहुल गांधी ईर्ष्या और नफरत से भारत के लोकतंत्र और प्रगति पर हमला कर रहे हैं। इससे साफ है कि राहुल गांधी का रिमोट कंट्रोल विदेशी ताकतों के हाथ में है। राहुल गांधी भारत विरोधी नेता बन गए हैं।

टेट की अनिवार्यता...

सीटें रिक्त रह गई हैं, जो कुल सीटों का 36.43 प्रतिशत है। अभी दूसरे चरण की प्रक्रिया बाकी है, पर पहले चरण के आंकड़ों को देखते हुए इसमें भी सीटें भरने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। बीएड के प्रति अरुचि के कई कारण हैं। पहले चरण की काउंसिलिंग में विशेष बात यह रही कि इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का पैटर्न बीएड महाविद्यालयों में नजर आया। अर्थात शासकीय महाविद्यालयों की सीटें शुरुआत में ही भर गईं, लेकिन कई निजी महाविद्यालयों में संख्या 20-22 छात्र पर ही आकर अटक गई। निजी महाविद्यालयों की 400 सीटें ऐसी भी रही हैं, जिसे विकल्प के रूप में छात्रों ने पंजीयन के दौरान चुना ही नहीं।

2014 में दो...

का ट्रेंड रहा है। इसलिए इनमें दाखिला होने की उम्मीद महाविद्यालयों को है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids सुनाई मशीन
• Dental/ दंत रोग
• मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

सभी प्रकार की एलर्जी
छाती रोग
Vrinda Multispeciality Hospital
Chest & Allergy Centre
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
94060-21769

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेशलिटी डायग्नोस्टिक
लैब केयर Lab Care डायग्नोस्टिक्स
Mo.: 9826725383

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100
Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- डिपार्टमेंटल स्टोर में काम करने हेतु सेल्समैन (वेतन 8000-12000) सेल्सगर्ल (वेतन 5000-8000) लड़कों (वेतन 5000-8000) की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क- फीलिंग्स अपोजिट अम्बा फ्यूल्स तारबाहर रोड, बिलासपुर 8982278005 (38811)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में आउटर में काम करने के लिए अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- तेलीपारा बिलासपुर 7974670905 (38807)

आवश्यकता है- बिलासपुर के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल हेतु ठेकेदारी में भारी मात्रा में सुरक्षागार्ड की। वेतन शासकीय नियम अनुसार अपने मूल दस्तावेजों सहित समपर्क करें- सिक्योरिटी ऑफिस मेन गेट अपोलो हॉस्पिटल लिंगियाडीह बिलासपुर 9981614171, 7999964058 (38809)

आवश्यकता है- बिलासपुर 36 मॉल और मेग्नेटो मॉल में सिनेमा फूड काउन्टर में हेल्पर कार्य करने हेतु 4 लड़कों, 2 लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी 8000+ रहना खाना सम्पर्क करें- 8109400008, 9243958051 (38798)

आवश्यकता है-सुबह से शाम तक घर में सात्विक शाकाहारी खाना बनाने, अन्य घरेलू कार्य हेतु लड़की चाहिए। शिक्षा 12वीं वेतन योग्यता अनुसार पता-वी-18, रामा लाइफ सिटी सकरी बिलासपुर 8319817966, 98930 81826 (38802)

Requirment-Sales Executive Qualification Bachelor Degree, 1-3yrs sales experience must IntervieDate 04.10.2025, Saturday Time 11Am to 2Pm Place R-creative Construction, Off.-3, Second Floor CLC Plaza, Mangla Chowk Bilaspur 8827327345, 76468 32807 (38806)

आवश्यकता है- ऑफ़िस कार्य हेतु टेलीकॉलिंग महिलाओं एवं युवतियो की अतिशीघ्र आवश्यकता हैं योग्यता 8वी, 12वी, ग्रेजुएशन सैलरी योग्यता अनुसार 6000 से 15000 तक पता बिलासपुर फ़ोन 9522505034 (24849)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (38810)

शैक्षणिक

शैक्षणिक-मैट्स विश्व विद्यालय मुक्त दूरवर्ती ऑन लाइन एजुकेशन शासकीय सेवा में मान्य, डीसीए, पीजीडीसीए, बीसीए, एमसीए, बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए, एमबीए, बीलिब, इनफॉर्मेशन सेन्टर- राजेन्द्र नगर चौक, बिलासपुर 95160 36581, 8959264581 (38718)

बेचना

बेचना है-रनिंग दवाई दुकान का रैक, काउन्टर, फ्रिज सीसीटीवी कैमरा कम्प्यूटर सेटअप सहित बेचना है। सम्पर्क करें- 8103450537 (38803)

व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 (302)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ायें।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवायें।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबर संक्षेप

दीप्ति बनीं सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय स्पिनर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप 2025 के अपने पहले मैच में श्रीलंका क्रिकेट टीम को डक वर्थ लुईस की बदौलत 59 रन से शिकस्त दी। भारत की इस जीत में दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाया और फिर गेंदबाजी में 3 विकेट लिए। इस बीच वह वनडे में सर्वाधिक विकेट वाली भारतीय महिला स्पिनर बनी। नीतू डेविड से आगे निकली दीप्ति बल्लेबाजी में छाप छोड़ने वाली दीप्ति ने गेंदबाजी में भी कमाल किया। इस ऑफ स्पिनर ने अपने 10 ओवर में 54 रन देते हुए 3 विकेट लिए। उनके नाम अब 28.19 की औसत के साथ 143 विकेट हो गए हैं। वह वनडे प्रारूप में दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बनी। उन्होंने नीतू डेविड (141) को पीछे छोड़ा। उनसे आगे इस सूची में फिलहाल सिर्फ झूलन गोस्वामी (255) हैं।

चहल अगले काउंटी में भी नॉर्थम्पटनशायर से खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल 2026 सीजन में नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में वापसी करेंगे। वह इससे पहले 2024 और 2025 सीजन में भी इसी टीम के लिए खेल चुके हैं। क्लब ने हाल ही में बताया कि चहल टीम के साथ अपने कार्यकाल के दौरान वनडे कप और काउंटी चैंपियनशिप के लिए उपलब्ध रहेंगे। बता दें कि चहल ने काउंटी चैंपियनशिप में कुल 31 विकेट लिए हैं। नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच डैरेन लेहमैन भी चहल की अपनी टीम में वापसी से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, युजी इस टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनके करियर का रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है और वह टीम में अनुभव लेकर आते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे मसूद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 12 अक्टूबर से दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाली 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की वापसी हुई है, जो टी-20 एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। शान मसूद टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे, जबकि रिजवान विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। पीसीबी ने घरेलू सीरीज में जीत हासिल करने के लिए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को तरहीज दी है।

विदेशी टी-20 लीग में अब नहीं खेलेंगे पाकिस्तानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विदेशी टी-20 लीग में खेलने वाले अपने खिलाड़ियों को जारी सभी अनापत्ति प्रमाण पत्र निलंबित कर दिए हैं। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी

सुमैर अहमद सैयद द्वारा 29 सितंबर को घोषित इस फैसले से बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे शीर्ष खिलाड़ी प्रभावित होंगे। ये पाकिस्तानी खिलाड़ी बिग बैश लीग और आईएलटी20 जैसे कई टी-20 टूर्नामेंटों में नियमित रूप से खेलते रहे हैं। पीसीबी ने यह सख्त कदम एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उठाया है।

जल्द ही औपचारिक रूप से भारत लाई जाएगी एशिया कप 2025 की ट्रॉफी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद जारी है। इन सबके बीच ये खबर है कि फिलहाल एशिया कप की यह ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी के क्षेत्रीय कार्यालय में रखी हुई है और जल्द ही इसे भारत लाया जाएगा।

भारत भेजी जाएगी ट्रॉफी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रॉफी को या तो औपचारिक रूप से भारत भेज दिया जाएगा या दुबई में किसी भारतीय अधिकारी को सौंप दिया जाएगा, जो इसे वापस ले आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी मंगलवार तक दुबई में ही मौजूद थे, जहां एसीसी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। बता दें कि नकवी ने हाल ही में संपन्न हुई एसीसी की बैठक में ट्रॉफी को भारत में भेजने से इनकार कर दिया था।

नकवी को एसीसी से चलता करेगा बीसीसीआई

इस ट्रॉफी के विवाद के बाद से बीसीसीआई नकवी को एसीसी के अध्यक्ष पद से हटाने की योजना बना रहा है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि वे रिपोर्ट दर्ज कराने और यूएई के अधिकारियों से आग्रह करने की योजना बना रहे हैं कि नकवी के आचरण की आधिकारिक जांच होनी चाहिए। उनका तर्क है कि उनके व्यवहार ने विजेता टीम के अपमान के साथ-साथ इस मामले में राजनीति भी शामिल की है।

क्या है ट्रॉफी का पूरा विवाद?

फाइनल के बाद भारतीय टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। एसीसी अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर सुझाव दिया कि पुरस्कारों की प्रस्तुति एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से करा ली जाए, लेकिन नकवी ने ऐसा नहीं होने दिया। इसके बाद नकवी भारतीय टीम की ट्रॉफी को अपने साथ लेकर होटल रवाना हो गए। बीते मंगलवार को एसीसी की बैठक में वह ट्रॉफी देने की बात से पीछे हट गए थे।

माफी भी मांग चुका है नकवी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी ने बैठक में बीसीसीआई से खेद व्यक्त किया और माना था कि फाइनल के बाद स्थिति इतनी बिगड़नी नहीं चाहिए थी। इस गलती को स्वीकारने के बावजूद उन्होंने बीसीसीआई को सीधे तौर पर ट्रॉफी देने से इनकार किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नकवी ने सुझाव दिया कि भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव दुबई जाकर व्यक्तिगत रूप से उनसे ट्रॉफी लें। हालांकि, इस पर बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों ने आपत्ति व्यक्त की थी।

टेस्ट सीरीज : राहुल ने ठोका पचासा, सिराज ने 4, बुमराह ने चटकाए 3 विकेट

भारत के नाम रहा पहला दिन, विंडीज को 162 पर समेटा, 2 विकेट पर बनाए 121 रन

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू हुआ। पहले दिन का खेल पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 के स्कोर पर सिमट गई। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 121 रन बना लिए। केएल राहुल फिफ्टी लगाकर नाबाद हैं। गेंदबाजी में सिराज को 4 तो बुमराह को 3 विकेट मिले. वहीं, कुलदीप यादव ने भी दो विकेट झटके. वॉशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला है। यह मुकाबला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिहाज से बेहद अहम है।

भारत ने शुरुआत से ही बनाया दबाव

भारत के सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पारी की शुरुआत की। दोनों के बीच 68 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल 36 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, साई सुदर्शन भी सस्ते में निपट गए। साई के बल्ले से केवल 7 रन ही आए। केएल राहुल अर्धशतक बनाकर क्रीज में डटे हुए हैं। कप्तान शुभमन गिल उनका साथ निभा रहे हैं। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत 41 रन पीछे हैं।

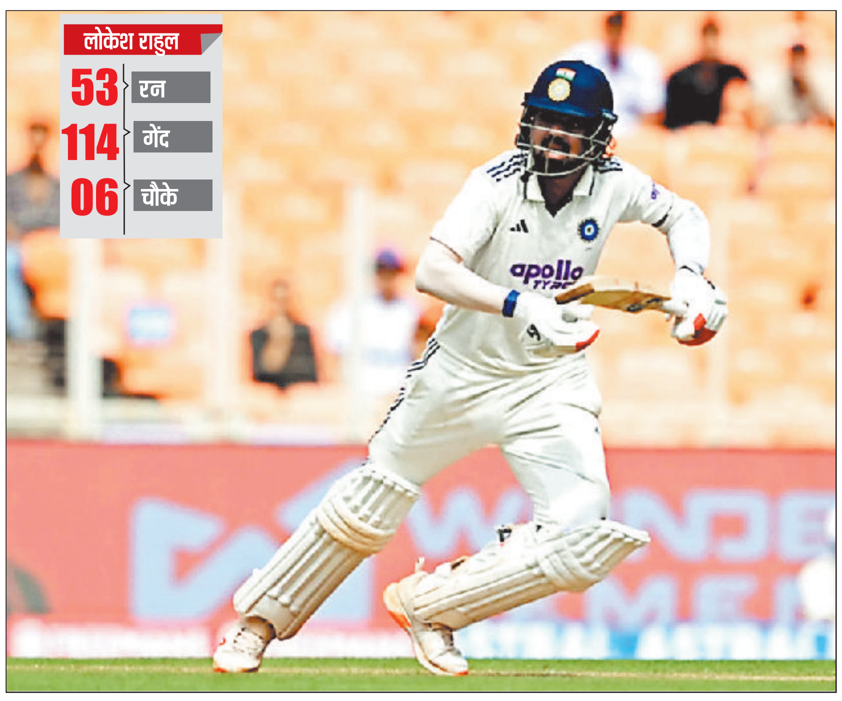

विंडीज टीम पर रहा गेंदबाजों का खौफ

पहली पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 12 रनों के स्कोर पर ही वेस्टइंडीज को पहला झटका लग गया। तेजनारायण चंद्रपॉल (0 रन) तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों लपके गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज जॉन कैम्पबेल (8 रन) को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। सिराज का कहर देखने को मिला और उन्होंने दो और विकेट झटके। लंच से पहले कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज को 5वां झटका दिया और शाई होप अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद विंडीज को 7वां झटका सुंदर ने दिया। इसके बाद बुमराह ने विंडीज को 8वां और 9वां झटका दिया। कुलदीप ने विंडीज की पारी का खात्मा किया।

पतझड़ जैसे गिरे वेस्ट इंडीज के विकेट

वेस्ट इंडीज के विकेट पतन इस प्रकार हुए- 12-1 (तेजनारायण चंद्रपॉल, 3.5 ओवर), 20-2 (जॉन कैम्पबेल, 6.1 ओवर), 39-3 (ब्रैंडन किंग, 9.6), 42-4 (एलिक अथानाजे, 11.4), 90-5 (शाई होप, 23.2), 144-7 (खारी पियर, 37.5), 150-8 (जस्टिन ग्रीव्स, 38.6), 153-9 (जोहान लेने, 40.1),162-10 (जोमेल वार्रिकन, 44.1)

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कैंपबेल का जुरेल बो बुमराह	08	19	2	0
चंद्रपॉल का जुरेल बो बुमराह	00	11	0	0
ऐलेक ऐथेनाज का राहुल बो सिराज	12	24	2	0
ब्रैंडन किंग बो सिराज	13	15	3	0
रॉस्टन चेज का जुरेल बो सिराज	24	43	4	0
शाई होप बो कुलदीप	26	36	3	0
जस्टिन ग्रीव्स बो बुमराह	32	48	4	0
खारे पिएरे पगबाधा सुंदर	11	34	2	0
जोमेल का जुरेल बो कुलदीप	08	16	1	0
जोहान लेन बो बुमराह	01	04	0	0
जेडेन सील्स नाबाद	06	16	0	0

अतिरिक्त: 21,
कुल योग: 44.1 ओवर 162/10 रन
गेंदबाजी: बुमराह 14-3-42-3, सिराज 14-3-40-4, रेड्डी 4-1-16-0, जडेजा 3-0-15-0, कुलदीप 6.1-0-25-2, सुंदर 3-0-9-1

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का होप बो सील्स	36	54	7	0
लोकेश राहुल खेल रहे हैं	53	114	6	0
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07	19	0	0
शुभमन गिल खेल रहे हैं	18	42	1	0

अतिरिक्त: 07,
कुल योग: 38 ओवर में 121/2 रन
गेंदबाजी: सील्स 8-2-21-1, लायने 6-0-14-0, ग्रीव्स 4-2-19-0 वारिकन 6-2-21-0, पियरे 9-0-25-0, चेज 5-0-16-1

क्रिकेट

नामीबिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी ▸▸| हरारे

नामीबिया क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया है। दरअसल, इस टीम ने टी-20 विश्व कप क्वालीफायर के पहले सेमीफाइनल मैच में तंजानिया क्रिकेट टीम को 63 रन से हराते हुए आगामी विश्व कप का टिकट हासिल किया। बता दें कि नामीबिया ने लगातार चौथे विश्व कप संस्करण में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। अगला टी-20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है।

इस तरह से जीती नामीबिया की टीम सेमीफाइनल

हरारे में खेले गए मैच में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों के बाद 174/6 का स्कोर बनाया। नामीबिया की ओर से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (55) और जेजे स्मिट (61*) ने अर्धशतक लगाए। जवाब में तंजानिया की टीम पूरे ओवर खेलने के बावजूद 8 विकेट खोकर 111 रन ही बना सकी। नामीबिया से अर्धशतकीय पारी खेलने वाले स्मिट ने गेंदबाजी में 16 रन देते हुए 3 विकेट लिए।

क्वालीफाई टीमें

भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, अमेरिका, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड, इटली, और नामीबिया।

नामीबिया टीम का इतिहास

नामीबिया की टीम इससे पहले 2021, 2022 और 2024 में भी खेल चुकी है। 2022 संस्करण में, नामीबिया ने श्रीलंका क्रिकेट टीम को हराकर अपने क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार क्षणों में से एक को रचा था। टी-20 विश्व कप 2024 में नामीबिया ने सिर्फ 1 जीत दर्ज की थी और 3 में हार झेली थी। ग्रुप-B में मौजूद यह टीम चौथे पायदान पर रहे थे और सुपर-8 में नहीं पहुंच सके थे।

युवा टेस्ट

दूसरी पारी में बल्लेबाजी किए बिना ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को रौंदा

एजेंसी ▸▸| ब्रिसबेन

भारत अंडर-19 टीम ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 58 रन से हराकर इस दौरे पर अपना दबदबा कायम रखा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मैच के चौथे दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी दूसरी पारी आठ रन पर एक विकेट से आगे से शुरू की। पूरी टीम 49.3 ओवर में सिर्फ 127 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी में 243 रन के जवाब में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी और वेदांत त्रिवेदी के शानदार शतकों की मदद से 428 रन बनाये थे।

एक पारी 58 रन से हराया

टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी की जरूरत नहीं पड़ी। पहली पारी में पांच विकेट झटकने वाले तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने दूसरी पारी में तीन विकेट चटकाये। खिलान पटेल ने भी तीन विकेट लिए जबकि अन्मोलजीत सिंह और किशन कुमार ने दो-दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं दिया।

दूसरा टेस्ट सात अक्टूबर से

श्रृंखला का दूसरा और अंतिम युवा टेस्ट सात अक्टूबर से मैके में शुरू होगा। भारत अंडर-19 टीम ने इससे पहले तीन मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया-19 को 3-0 से हराया था।

कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

अब बांग्लादेश से कभी नहीं खेल पाएंगे शाकिब, खेल सलाहकार ने किया ऐलान

शेख हसीना को बधाई देना पड़ा भारी

एजेंसी ▸▸| ढाका

बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर आसिफ महमूद ने ये घोषणा की है कि अब शाकिब अल हसन कभी भी अपने देश से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। दरअसल, शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी थी और इससे नाराज महमूद ने ये ऐलान किया है। बता दें कि इस ऑलराउंडर ने लगभग 1 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

इस पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शाकिब ने शुभकामनाएं दी थी। इसके बाद महमूद ने खिलाड़ी का नाम लिए बिना पोस्ट में लिखा, 'आप

सभी ने एक शख्स को बाहर करने के लिए मुझे बहुत गालियां दी हैं, लेकिन मैं सही था। इसके बाद शाकिब ने पोस्ट में लिखा, 'आखिरकार किसी ने मान लिया कि उन्हीं की वजह से मैं बांग्लादेश की जर्सी दोबारा नहीं पहन पाऊंगा। शायद मैं एक दिन अपनी मातृभूमि लौट जाऊंगा। बांग्लादेश, मैं तुमसे प्यार करता हूं।'

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने बार्सीलोना को दी मात, मोनाको-मैनचेस्टर सिटी का मैच ड्रा

एजेंसी ▸▸| बार्सीलोना

गोंकालो रामोस के 90वें मिनट में किये गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बार्सीलोना को 2-1 से हराया।

उस्मान डेम्बेले, डिजायर डोउए और ख्विचा क्वारात्सखेलिया जैसे अग्रिम पंक्ति के अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी गत चैंपियन पीएसजी की टीम बार्सीलोना के 'एस्तादी ओलिंपिक लुईस कंपनीस' स्टेडियम में 1-0 से पिछड़ रही थी। सेने मायुलु ने मैच के 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रामोस ने आखिरी क्षणों में गोल कर बार्सीलोना की उम्मीदों पर पानी फेर

दिया। बार्सीलोना के लिए फेरान टोरेसे ने 19वें मिनट में मैच का पहला गोल किया था।

अन्य मैचों का ऐसा रहा हाल

अन्य मैचों में विलारीयाल और युवेंटस का मुकाबला भी 2-2 की बराबरी खत्म हुआ। इसमें रेनाटो वेइगा ने अंत में बराबरी का गोल किया। आर्सेनल ने ओलंपियाकोस को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड कायम रखा। नेपोली ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 2-1 से शिकस्त दी जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने एथलेटिक बिलबाओ को 4-1 से हराया। बेयर लेवरकुसेन और पीएसवी आइंडहोवन के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।

आईसीसी से प्रतिबंध के बाद यूएसए क्रिकेट ने उठाया कदम

अब यूएसए क्रिकेट ने दिवालियापन के लिए किया आवेदन

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका क्रिकेट बोर्ड (यूएसएसी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया था। आईसीसी की इस कार्रवाई के बाद अब यूएसएसी ने 'चैप्टर 11' दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। बता दें कि यूएसएसी ने ये फैसला अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज के साथ अपने विवाद को लेकर होने वाली सुनवाई से ठीक पहले उठाया है।

पहली बार घटी ऐसी घटना

यह पहला ऐसा मौका है, जब आईसीसी की किसी टीम की ओर से 'चैप्टर 11' के तहत दिवालियापन के संबंध में आवेदन किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, एसीई द्वारा लाए गए कोलोराडो मामले में, यूएसए क्रिकेट टीम के वकील ने सुनवाई शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही अदालत को दिवालियापन की सूचना दे दी, जिससे सुनवाई रुक गई। दिवालियापन घोषित किए जाने बाद यूएसएसी से करार करने वाले खिलाड़ियों की चिंता बढ़ सकती है।

एसीई ने इस कृत्य की निंदा की

एसीई ने इस कृत्य और इसके समय की निंदा की। एसीई के एक प्रतिनिधि ने कहा, यूएसएसी जानता था कि इसका नतीजा पहले से तय है। पक्षों के समझौते को रद्द करने का कोई आधार नहीं था और यह अमेरिका में क्रिकेट की सफलता को खतरे में डाल रहा था। यूएससीए को क्रिकेट और उसके खिलाड़ियों के हितों की बिलकुल भी परवाह नहीं है, और यह केवल राजनीति और उसके निदेशकों के निजी एजेंडे से प्रेरित है।

अमेरिका में क्या होता है 'चैप्टर 11'?

चैप्टर 11' अमेरिका का एक कानून है। जब कोई कंपनी या संगठन (जैसे यूएसए क्रिकेट) कर्ज में डूब जाता है, तो वह चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन कोर्ट में अर्जी दे सकता है। यह एक पुनर्गठन की प्रक्रिया है। इसका मतलब है कि कंपनी अपने कर्ज को कम करने, खर्चे घटाने और कारोबार को बचाने की योजना बनाती है। कोर्ट की निगरानी में कंपनी चलती रहती है, और उसे कुछ समय के लिए कर्जदाताओं से राहत मिलती है।

इसलिए लगाया गया था यूएसए पर प्रतिबंध?

आईसीसी की शिकायत के तीन मुख्य बिंदु थे। यूएसए क्रिकेट का प्रभावी प्रशासनिक ढांचा लागू करने में असफल रहना, क्रिकेट के राष्ट्रीय शासी निकाय के रूप में अमेरिका के ओलंपिक और पैरालंपिक समिति से मान्यता प्राप्त करने में कोई प्रगति न होना और ऐसे कार्य करना जिन्होंने क्रिकेट की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाया।

नाश्ते में खाता है 10 किलो मिर्ची, लाल मिर्च पाउडर से धोता है एक-एक अंग

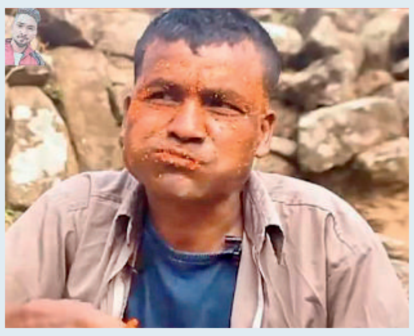

नई दिल्ली। मेघालय के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा शख्स रहता है, जिसकी स्टोरी सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। राम पिरतुह, पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के बटाव गांव के साधारण किसान है। लेकिन अपनी असाधारण क्षमता के कारण दुनियाभर में मशहूर है। जब दुनिया हेल्थ ट्रेंड्स पर चर्चा कर रही है, राम की पुरानी वीडियो फिर वायरल हो गई, जहां वे एक बार में 10 किलो से ज्यादा तीखी सूखी मिर्च खा जाते हैं, वो भी बिना आंसू बहाए, बिना पसीना छुड़ाए! लेकिन, स्टोरी यहीं नहीं रुकती।

सरेआम खा गए तीखी लाल मिर्च

राम पिरतुह का ये टैलेंट 2021 में चर्चा में आया, जब एक लोकल वीडियो में उन्हें मिर्च की थैलियां खाते देखा गया। लोग दूर-दूर से इस बात की सच्चाई जानने के लिए आने लगे। राम, 50 के करीब उम्र के इस किसान ने कहा, 'मिर्च मेरी जिंदगी का हिस्सा है। बचपन से खाता आया हूं, अब तो कोई तीखापन महसूस ही नहीं होता.' वे ना सिर्फ मिर्च खाते हैं, बल्कि उससे नहा भी सकते हैं।

दिया गया था कठिन चैलेंज

जब उनकी इस शॉकिंग खूबी की चर्चा होने लगी तो कई लोग उन्हें परखने लगे। एक शो के दौरान उन्हें मिर्च के पेस्ट से नहला दिया गया। लेकिन आश्चर्य कि उन्हें कोई तकलीफ नहीं हुई। बटाव गांव के लोग बताते हैं कि राम का खाना मिर्च-बेस्ड होता है-चावल, सब्जी, सबमें तीखापन। राम की लाइफस्टाइल देखकर लगता है जैसे वे सुपरहीरो हों। सुबह उठते ही मिर्च वाली चाय, दोपहर में मिर्च-मटन करी, शाम को रॉ चिलीज। वे कहते हैं, 'मिर्च मेरी दवा है—कोई बीमारी नहीं लगती।' मेघालय के जैनतिया हिल्स में मिर्च की खेती आम है, लेकिन राम जैसा कोई नहीं है। अब एक बार फिर उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है।

800 साल पुराना मंदिर, जहां शिवलिंग पर पड़ती है अद्भुत छाया

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

शहर से मात्र 100 किलोमीटर दूर, तेलंगाना के नलगोंडा जिले में 800 वर्ष प्राचीन 'छाया सोमेश्वर महादेव' मंदिर स्थित है। यह मंदिर अपने अद्भुत और अनसुलझे रहस्य के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। पूरे दिन शिवलिंग पर एक स्तंभ की छाया मंडराती रहती है, लेकिन यह छाया आती कहां से है, यह आज तक कोई नहीं जान पाया। यह मंदिर प्राचीन भारतीय वास्तुकला और विज्ञान के अद्वितीय ज्ञान का प्रमाण है। ऐसा माना जाता है कि दक्षिण भारत में चोल साम्राज्य जैसे शक्तिशाली राजवंशों के संरक्षण के कारण यहां के मंदिर उत्तर भारत की तरह बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमणों का शिकार नहीं हुए। इसलिए यहां की अद्भुत कलात्मकता और वैज्ञानिक चमत्कार आज भी अपने मूल स्वरूप में देखे जा सकते हैं।

क्या है इस मंदिर का रहस्य

मंदिर का रहस्य सरल दिखता है, लेकिन इसके पीछे गहन विज्ञान छुपा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग के ठीक सामने कोई स्तंभ नहीं है, फिर भी जिस स्तंभ की छाया शिवलिंग पर पड़ती है, वह शिवलिंग और सूर्य के बीच नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि मंदिर परिसर में बाहर लगे स्तंभों की स्थिति और उनका डिज़ाइन इतना सटीक है कि सूर्य की गति के साथ इन स्तंभों की आपसी परछाइयां मिलकर एक ऐसी छाया बनाती हैं, जो सीधे शिवलिंग पर पड़ती है।

विज्ञान भी हैरान है, लेकिन आस्था अडिग है

भौतिक विज्ञानी मनोहर शेषागिरी के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में पूर्व-पश्चिम दिशा, सूर्य की किरणों की गणना और प्रकाश के परावर्तन का गहन ज्ञान इस्तेमाल किया गया था। प्राचीन कारीगरों ने स्तंभों को इस तरह रखा कि सूर्य चाहे जहां भी हो, उसकी रोशनी से बनने वाली छाया हमेशा शिवलिंग को ही स्पर्श करे। हालांकि, 800 वर्षों में मंदिर की दीवारों पर दरारें आ गई हैं, लेकिन तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए संरक्षण कार्यों ने इस ऐतिहासिक धरोहर को नया जीवन दिया है। आज भी यह रहस्य देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक और श्रद्धालु यहां आते हैं। नलगोंडा के पनागल बस स्टैंड से यह मंदिर मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह आसानी से सुलभ है। यह मंदिर सिर्फ आस्था का ही नहीं, बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतीक है, जहां विज्ञान और आध्यात्म का अद्भुत मेल देखने को मिलता है, जो आज भी विज्ञान के लिए चुनौती बना हुआ है।

8849 मीटर हाइट, भूकंप-तूफान बर्फबारी का नहीं होता असर

नई दिल्ली। कभी आपने सोचा है कि आखिर दुनिया की सबसे ऊंची पर्वतमाला हिमालय करोड़ों सालों से कैसे टिके हुए हैं? हर साल भूकंप, तूफान, बर्फबारी और मौसम की मार झेलने के बावजूद ये पर्वत आज भी एशिया की शान बनकर खड़े हैं। हालांकि, अब एक नई स्टडी ने सालों पुरानी इस रहस्य को चुनौती पेश की है। स्टडी में खुलासा हुआ है कि करीब 5 करोड़ साल पहले जब भारत और एशिया की प्लेटें आपस में टकराईं, तो धरती की परतें दबकर ऊपर उठीं, जिसकी वजह हिमालय बन गए। इस टक्कर से तिब्बत का इलाका करीब 1000 किलोमीटर सिकुड़ गया और भारतीय प्लेट, एशियाई प्लेट के नीचे चली गई। माना जाता था कि दोनों परतें आपस में चढ़कर 70 से 80 किलोमीटर तक मोटी हो गईं और इसी वजह से हिमालय और तिब्बती पठार ऊंचाई पर टिके रहे। हालांकि, यह सबसे पहले 1924 में स्विस भूवैज्ञानिक एमिल आर्गांड ने कहा था। लेकिन, अब एक नई स्टडी कहती है कि धरती की परतें इतनी गहराई तक आपस में चढ़ी हुई नहीं हो सकतीं, यानी हिमालय को लेकर हमारी करीब 100 साल पुरानी समझ गलत हो सकती है।

करोड़ों साल से कैसे टिके हुए हैं हिमालय? नई रिसर्च में खुला बड़ा राज

मेंटल का टुकड़ाः एशियाई और भारतीय क्रस्ट के बीच में एक तीसरी परत

रिसर्च के मुताबिक, पृथ्वी की क्रस्ट (पृथ्वी की सतह के नीचे की परत) के पत्थर करीब 40 किलोमीटर गहराई पर ज्यादा तापमान के कारण पिघलने लगते हैं। मिलानो-बिकोक्का यूनिवर्सिटी, इटली के जियोफिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर और इस स्टडी के लेखक पिएत्रो स्टरनाई ने कहा, 'अगर क्रस्ट की मोटाई 70 किलोमीटर है, तो इसकी सबसे निचली परत नरम हो जाती है। यह दही जैसी हो जाती है और आप दही के ऊपर पर्वत नहीं बना सकते।' स्टरनाई का कहना है कि उनके एनालिसिस से पता चला कि एशियाई और भारतीय क्रस्ट के बीच में एक तीसरी परत, यानी मेंटल का टुकड़ा मौजूद है। यही कारण है कि हिमालय सिर्फ ऊंचे ही नहीं बने, बल्कि लंबे वक्त तक ऊंचा भी बना रहे।

हिमालय को ऊंचा बनाए रखने में किसका बड़ा रोल?

वैज्ञानिकों ने स्टडी में पाया है कि हिमालय को ऊंचा बनाए रखने में 'ब्लॉब्स' का बड़ा रोल है। यह ब्लॉब्स पृथ्वी की पपड़ी (क्रस्ट) के नीचे की परत में होते हैं। यह परत बहुत भारी होती है। इसकी खास बात यह है कि ये गर्मी में भी पिघलती नहीं है। इसके उलट, यह हल्की और उभरने वाली होती है, जिससे यह हिमालय को ऊपर उठाने में मदद करती है, जैसे आइसबर्ग पानी में तैरता है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने एशिया और भारत के टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव का सिमुलेशन किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि जब भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे फिसलती है, तो ब्लॉब्स ऊपर उठकर एशियाई क्रस्ट और लिथोस्फीयर के बेस से जुड़ जाते हैं। इससे पता चलता है कि दोनों प्लेटों के बीच एक कठोर परत मौजूद है।

अर्गंड के सिद्धांत

जबकि, लेखक जानते हैं कि अर्गंड के सिद्धांत का विरोध करना आसान नहीं है और यह विवादास्पद भी माना जा सकता है। लेकिन, वे यह भी जानते हैं कि इस स्टडी के परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि ये हिमालय में कई अजीब भौगोलिक घटनाओं की एक्सप्लेनेशन करते हैं।

यहां अंडों से बनती है सड़क सालों-साल नहीं पड़ती दरार मजबूती कर देगी हैरान

बीजिंग। भारत में सड़कें बनते ही टूटने लगती हैं, गड्ढों का राजा हो जाता है। लेकिन चीन की सड़कें? वो तो सालों-साल चमकती रहती हैं, बिना एक दरार के! इसका राज क्या है? अंडे! सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में दावा किया जा रहा है कि चाइनीज इंजीनियर्स अंडे के छिलकों को फाइन पाउडर बनाकर कंक्रीट मिक्स में डालते हैं, जो सड़कों को सुपर मजबूत बना देता है। यह खबर ना केवल हैरान करने वाली है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी क्रांतिकारी है। रिसर्च पेपर्स के मुताबिक, अंडे के छिलके में कैल्शियम कार्बोनेट होता है, जो

सीमेंट को मजबूत बनाता है और दरारें रोकता है। चीन की यह इनोवेशन कोई नई बात नहीं है। बीजिंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक स्टडी पब्लिश की, जिसमें बताया गया कि एगशेल पाउडर से कंक्रीट की स्ट्रेंथ कई गुना बढ़ जाती है। यह मटेरियल ना केवल सस्ता है, बल्कि वेस्ट रिडक्शन भी करता है।

कचरे का सही इस्तेमाल

चीन में हर साल अरबों अंडे प्रोड्यूस होते हैं, जिनके छिलके कचरा बन जाते थे। अब इन्हें रिसाइकल कर सड़कें बना रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, शंघाई-पुडोंग एक्सप्रेसवे का एक सेक्शन इसी टेक्नोलॉजी से बना, जो 50 किलोमीटर लंबा है और अभी तक बिना मेंटेनेंस के चल रहा है। चाइनीज गवर्नमेंट की रिपोर्ट कहती है कि इससे सड़क लाइफ 30 साल से बढ़ाकर 50 साल हो गई है। वहीं, पर्यावरण मिनिस्ट्री ने इसे ग्रीन कंस्ट्रक्शन का अवॉर्ड दिया है।

जलने के बाद
पुनःनिर्माण सर्जरी
(रिकंस्ट्रक्शन)

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

GST लाभ			सीमित अवधि ऑफर
प्रोडक्ट्स	एक्स-शोरूम कीमत	GST लाभ	+ इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक (HDFC BANK क्रेडिट कार्ड, Festive Treats, Powered by pine labs) + प्रतिदिन EMI ₹59$ से शुरू | डाउन पेमेंट ₹999$ से शुरू | विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3 200~ तक
HF DELUXE	~~₹63 688~~ ₹58 712#	₹4 976	
SUPER SPLENDOR	~~₹85 870~~ ₹79 161#	₹6 709	

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife — पाएं जीतने का मौका 100% कैशबैक | 24 कैरट सोने का सिक्का और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

Additional offers on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ~T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Super Splendor and HF Deluxe in Raipur.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो 9289922359, सरगुजा हीरो 9289923110, कोरबाः शांति हीरो 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो 9289922373, आदित्य हीरो 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसीः 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स 7587796622 / 7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स 9754240437 / 8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स 8889467369 / 8719087320, मुंगेलीः महावीर मोटर्स 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो 9303571001, 7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्सः 6268000180 / 8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272 / 9340726288, महापालीः साहू ऑटोमोबाइल, 7746028455, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेयर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी) सत्या सर्विसेज, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000 Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415.

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com